मेरा राजस्थान

वर्ष-२०, अंक- ०८, मुम्बई, अक्टूबर २०२५ सम्पादक-बिजय कुमार जैन पृष्ठ ४८ मूल्य -१००.०० रूपए प्रति

राजस्थानियों के विचारों के साथ समस्त राजस्थान समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका

महाराजा अग्रसेन जी की जयंती पर सभी भारतवासियों को हार्दिक शुभकामनाय

S C

Sharda Cropchem Ltd.

Prime Business Park, Dashrathlal Joshi Road,
Vile Parle West, Mumbai, Maharashtra, Bharat-400056
Ph. Off.: +91 22 66782800
E-mail: office@shardaintl.com
(ASSOCIATE CONCERN SHARDA INTERNATIONAL FZCO DUBAI, U.A.E.)

ISO 9001: 2008 Reg. No: 690257
CIN: U51909MH2004PLC145007

Remove India Name From the Constitution India को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए

पत्रिका द्वारा होने वाली आय भारतीय भाषायी संस्कृति संवर्धन व हिंदी बनें राष्ट्रभाषा अभियान की सफलता पर खर्च किया जा रहा है

http:// www.merarajasthan.co.in

भारत को 'भारत' ही बोला जाए अभियान

MOIRA®
THERMEX® TMT BARS

The Backbone of Your Structure

MOIRA means
Double strength for your Construction

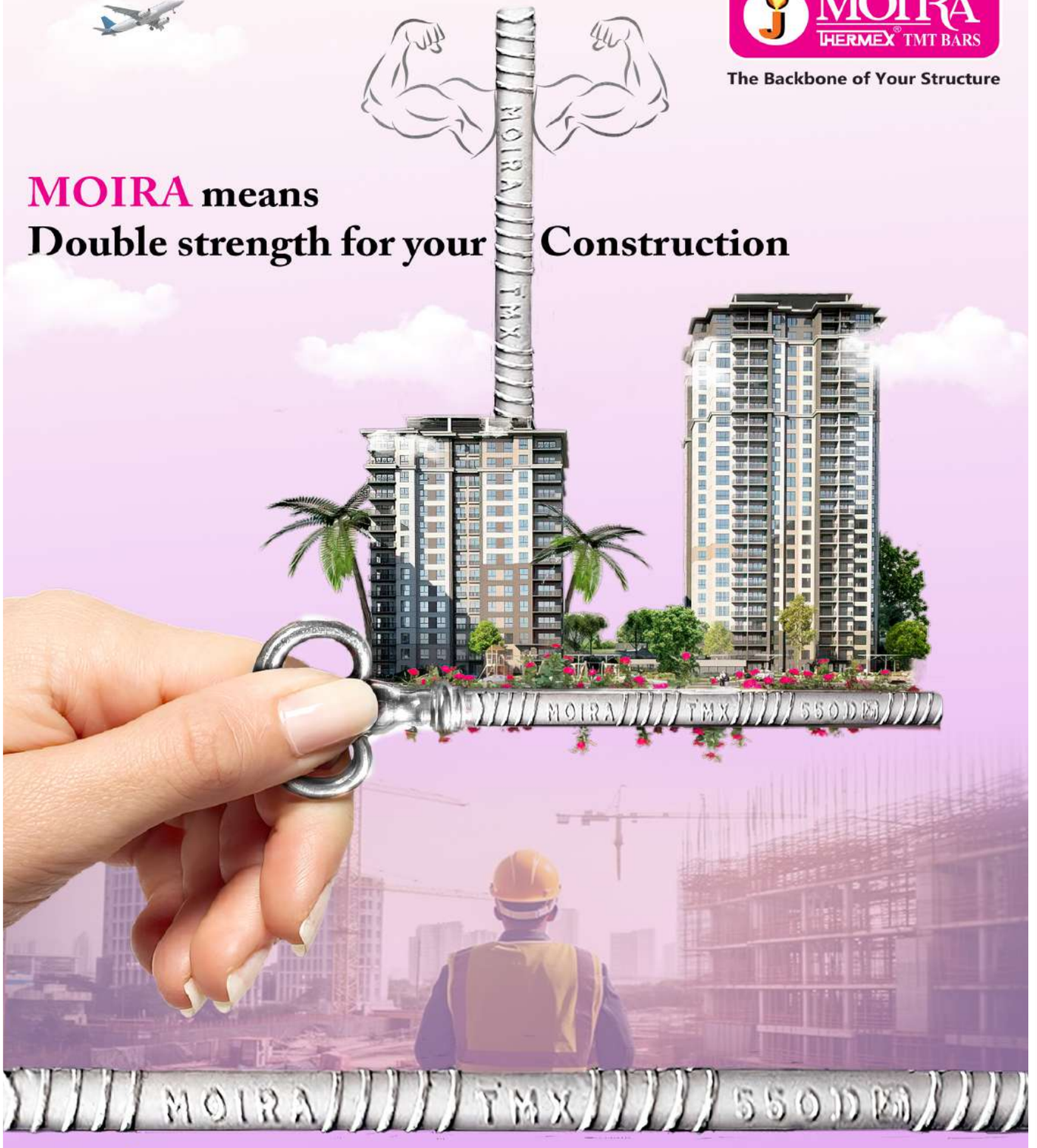

Available In : Fe 550, Fe 550D, Fe 600 & CRS

JAIDEEP METALLICS & Alloys Pvt. Ltd.

106 / 107 / 108, 1st Floor, Neha Ind. Estate, Behind CCI Ltd., Off Dattapada Road, Borivali (E), Mumbai - 400 066. Phone : +91 2242032000 Fax : +91 22 42032020
Email : ajay@moiratmt.com | marketing@moirantmt.com

अग्र क्रान्ति लाना है सारे विश्व में
तुम्हें छा जाना है
महाराजा अग्रसेन की जन्म जयंती पर
हार्दिक शुभकामनायें

Nirmal Kumar Agrawal

Mob: 9163890000

Adhunik Power & Natural Resources Ltd

Lansdowne Towers, 2/1A, Sarat Bose Road,
Kolkata, West Bengal, Bharat- 700020
PH. : +91-33-66384700 FAX: +91-33-66384729
website:info@adhunikgroup.com

१२ महाराजा अग्रसेन जी जन्मोत्सव...

२१ 'दुर्गापूजा'...

२३ 'एक ईंट-एक रुपये' की भावना...

२६ शक्ति की आराधना...

३६ राजस्थान का धार्मिक गाँव मोलेला...

अक्टूबर २०२५ के अंक की झलकियाँ

और भी बहुत कुछ....

'मेरा राजस्थान' नवंबर २०२५ री विशेषतावां

अग्रबंधू सेवा समिति (रजि.) मुंबई

5150 वाँ

भगवान अग्रसेन जी जन्मोत्सव

के शुभ अवसर पर

भगवान अग्रसेनजी का सजीव झाँकियोंसे युक्त

मंगलपाठ

व्यासपीठासीन
श्री वाणीभूषण
प्रभुशरण तिवारी जी
द्वारा संगीतमय प्रस्तुती

शनिवार, 27 सितम्बर 2025 सायं 5:00 बजे से रात्रि 9:30 बजे तक

स्थान - सरदार वल्लभभाई पटेल भवन
27, जवाहर नगर, एस. वी. रोड़, गोरेगांव (वेस्ट), मुंबई 400104

उद्घाटक/दीपप्रज्वलन	समारोह अध्यक्ष	प्रमुख अतिथि
श्री किशोर प्रवेशकुमार अग्रवाल (चेअरमेन-सहकार ग्लोबल लि.)	श्री महेश बंशीधर अग्रवाल (चेयरमैन-GTV Group of Companies)	श्री सत्यनारायण अग्रवाल (ट्रस्टी-परमार्थ सेवा समिति)
माल्यार्पण	ट्रस्टी एवं महोत्सव संयोजक	ट्रस्टी एवं महोत्सव संयोजक
श्री अखिल अमरीशचन्द्र अग्रवाल (होटेलियर एवं बिल्डर)	श्री लक्ष्मीनारायण अग्रवाल(मन्नू सेठ) (चेयरमैन-अग्रवाल बिल्डर्स ॲण्ड डेव्हलपर्स)	श्री बृजमोहन सी. गुप्ता (उद्योगपति एवं समाजसेवी)
श्री महालक्ष्मीजी पूजन	ट्रस्टी एवं कार्यक्रम संचालन	विशिष्ट अतिथि	ट्रस्टी एवं स्वागताध्यक्ष
श्री दिनेश कानोडिया (ट्रस्टी/समाजसेवी)	श्री कानबिहारी अग्रवाल (समाजसेवी)	डॉ. आलोक अग्रवाल (चेयरमैन-इलेक्ट्रोप्लास्ट इं.प्रा.लि.)	श्री राम बाबूलाल जाजोदिया (उद्योगपति एवं समाजसेवी)
विशिष्ट अतिथि	अतिथि विशेष	अतिथि विशेष	मिडीया प्रभारी
श्री दिनेश बी. अग्रवाल (चेरमैन-सिल्की/समाजसेवी)	श्री सुधीर अग्रवाल (ट्रस्टी-अग्रवाल जन सेवा चेरि.ट्रस्ट)	श्री श्रीधर गुप्ता (उद्योगपति एवं समाजसेवी)	श्री अनिल आर. अग्रवाल (संयुक्त मंत्री)

कार्यक्रम में सभी अतिथि/सहयोगी/महानुभावों/संस्था के सदस्य/सदस्याऐं, अन्य संस्थाओं की कार्यसमिति की उपस्थिती एकता का परिचायक होगी।

विनीत अध्यक्ष : अमरीशचन्द्र अग्रवाल मानद् मंत्री : उदेश अग्रवाल कोषाध्यक्ष : गोपालदास गोयल
उपाध्यक्ष : नरेश बी. गुप्ता, अनिल पी. अग्रवाल, बृजमोहन अग्रवाल, अनूप बी. अग्रवाल, विनोद एस. अग्रवाल
संयुक्त मंत्री : अनिल आर. अग्रवाल, बृजकिशोर अग्रवाल संयुक्त कोषाध्यक्ष : प्रवीण टी. अग्रवाल
कार्यकारिणी सदस्य : राजेन्द्र आर. अग्रवाल गणेश गोविंदप्रकाश गुप्ता चमन अग्रवाल राजीव अग्रवाल
सुभाष अग्रवाल (गोकुलधाम) संदीप पी. अग्रवाल ओमप्रकाश भजनलाल अग्रवाल अशोक बी. अग्रवाल (थाना)

महिला समिति अध्यक्षा : सुधा लक्ष्मीनारायण अग्रवाल मंत्री : मधु राजेन्द्र अग्रवाल कोषाध्यक्षा : अनिता अनिल अग्रवाल
उपाध्यक्षा : ज्योति उदेश अग्रवाल स्नेहलता मनमोहन गुप्ता प्रेमलता दिनेश अग्रवाल
संयुक्त मंत्री : बबीता शरद गोयल सविता महेन्द्र अग्रवाल

प्रीती सुधीर अग्रवाल विनीता अनिल अग्रवाल नेहा नीरज जैन नूतन मनोज अग्रवाल सीमा सुशील गुप्ता
नीता रमेश जैन जयश्री अखिल अग्रवाल जया मनीष गोयल सीमा लोकेश अग्रवाल पिंकी सचिन अग्रवाल

वर्ष-२०, अंक ८, अक्टूबर २०२५

१२ अंक वार्षिक १२००/-

सम्पादक : बिजय कुमार जैन

वरिष्ठ पत्रकार व सम्पादक
भारत को केवल BHARAT ही बोला जाए
का आव्हान करने वाला भारत माँ का लाडला

उपसम्पादक - संतोष जैन 'विमल'
कार्यकारी सम्पादक - अनुपमा शर्मा (दाधीच)
मो. 9702205252

'मेरा राजस्थान' के संरक्षक
स्व. रामनारायण घ. सराफ, मुम्बई

सम्पर्क करें...
सम्पादकीय कार्यालय
गेलार्ड पब्लिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड
की शानदार प्रस्तुति

मेरा राजस्थान
राजस्थानियों के विचारों के साथ सम्पूर्ण समाज को इकठ्ठा करने वाली एकमात्र पत्रिका

बी- २१७, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व,
मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत - 400 059. दूरध्वनि - 022- 4015 8094

भ्रमणध्वनिः 9322307908

अणुडाकः mailgaylordgroup@gmail.com
mainbharathunfoundation@gmail.com
अन्तरताना : http//: www.merarajasthan.co.in
http//:www.bijayjain.com

संपादकीय ....

महाराजा अग्रसेन जी का विशेष आशीर्वाद मुझे प्राप्त है

'सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखाय' का मार्ग अपनाने वाले महाराजा अग्रसेन जी ने हर पल अपनी प्रजा को सुखी व समृद्ध बनाने के साथ, अपने नाम के सम्मान के लिए जिया और सफल भी हुए तभी तो ५००० सालों बाद भी आज हम महाराजा अग्रसेन जी के कार्यों व विचारों को नमन करते हुए पूजते हैं।

लगातार १५ सालों की मेहनत ने मुझे भी 'भारत सरकार' ने 'नवरात्रि' के प्रथम दिवस पर उपहार स्वरूप 'भारत' नाम दिया, 'भारत' नाम तो पहले भी था पर INDIA से जुड़ा हुआ, आज भी INDIA से जुड़ा हुआ है, क्योंकि भारतीय संविधान में INDIA का उल्लेख जो है, पर लेखन व मनन से 'भारत सरकार' ने GOVERNMENT OF INDIA की जगह GOVERNMENT OF BHARAT लिखना शुरू कर दिया है, यह मेरे जीवन की सफलता है, पर अधूरी है।

कहते हैं मशाल जलाने के पहले चिंगारी की जरूरत होती है, चिंगारी मैंने १५ सालों पहले लगाई थी, विश्व में फैले भारतीयों ने साथ दिया, हर भारतीयों के दिलों से 'भारत नाम सम्मान' के भाव जगे, 'भारत सरकार' तक आवाज पहुंची और 'भारत सरकार' ने GOVERNMENT OF BHARAT लिखना शुरू कर दिया है, बस अब तो संविधान से INDIA नाम विलुप्त हो जाए, यही मेरी जीवन की अभिलाषा है।

जय जय राजस्थान! जय भारत!

SBI BANK
for payment

HDFC BANK
for payment

आपका अपना
– बिजय कुमार जैन
वरिष्ठ पत्रकार व सम्पादक
हिंदी सेवी-पर्यावरण प्रेमी
भारत को भारत कहा जाए का
आह्वान करने वाला एक भारतीय
राष्ट्रीय अध्यक्ष
मैं भारत हूँ फाउंडेशन
मो.९३२२३०७९०८

महाराजा अग्रसेन जयंती पर हार्दिक शुभकामनाएं

Surya Prakash Agrawal
Mob. 9825479563 / 9376379563

Ravi Kedia
Mob. 9327179563

Siddhi Vinayak Industries
(An Iso 9001: 2015 Certified Co.)
Mfg. Hdpe & Pp Wooven Fabric Bag & Roll, Pp/Hm /Ld Tubing R olls & Bags, Bopp Tape Plain & Printed Box Strapping Roll & Stitching Thread & Strach film
Survey No.288/1/2, Dadra Gram, Panchayat Road,
Dadra Nagar Haveli, Bharat- 396193
Email: contact@ganeshpolymers.com
siddhivinayakindustriesdadra@gmail.com

Ganesh Polymers
Gala No. 1 & 2, Plot No. 7,
Nani Tambadi Industrial Park,
Village - Nani Tambadi, Tal.
Vapi, Dist. Valsad, Gujrat, Bharat - 396193

सेल SAIL

NEX

from SAIL

Structurally Ahead

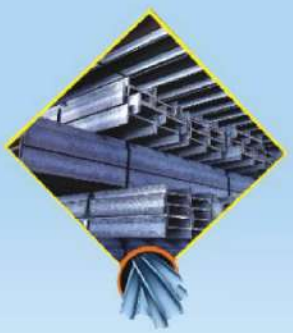

RAUNAQ STEELS TRADING PVT. LTD.

सेल SAIL

AUTHORISED DISTRIBUTOR FOR

LONG PRODUCTS & FLAT PRODUCTS

NEX from SAIL Structurally Ahead

PLATES

COIL

FLAT

ANGLE

JOIST

CHANNEL

TMT

ROUNDS

FLAT PRODUCTS OF SAIL AT ANDHRA PRADESH AND TAMILNADU

Rungta House, 65/A, Halls Road, Kilpauk, Chennai-600 010, Phone : 044 4297 1234

ASL MOTORS
DEALER OF **TATA MOTORS** PASSENGER CARS
SINCE 2000

Instagram facebook YouTube

Adityapur	A-7, 2nd Phase, Industrial Area, Seraikela-Kharsawan, Jharkhand-832109 **Tel: +91657-2555555** | **E-mail: admin@aslmotors.in**
Mango	NH-33, Pardih, Near Big Bazar, Purulia Road, Mango, Jamshedpur-831012 **Tel: +91-7360006086**
Chaibasa	Zila School Road, Near KTM Showroom, Chaibasa, West Singhbhum, Jharkhand 833201 **Tel: +91-7541811137**
Ghatsila	Ghatsila Main Road, Dhalbhum Pargana, Ghatsila, East Singhbhum, Jharkhand - 832303 **Tel: +91-6202532209**
Noamundi	Plot No. 1429, Thana No. 744, Mahudi, Noamundi, West Singhbhum, Jharkhand - 833217 **Tel: +91-9263854109**
Sakchi	New Plot No. 245, Near Howrah Bridge, Sakchi, Jamshedpur, Jharkhand - 831001 **Tel: +91-9619884285**

AGARWAL GROUP OF COMPANIES
Where you matter

AGARWAL GROUP OF COMPANIES

50+ YEARS PROJECT

AGARWAL
oak
GOREGAON (E)

Maha no. P51800031760
https://maharerumaharashtra.gov.in

2 BHK HOMES AT
₹1.89 CR*
ALL INCLUSIVE

30+ LIFESTYLE AMENITIES

- SWIMMING POOL
- FITNESS ZONE
- INDOOR GAME ROOM
- BANQUET HALL

900 400 2018
www.agarwalgroup.net.in

AGARWAL
FLORENCE

GOREGAON WEST

Path to Peaceful & Successful Living

777 700 4464

2BHK & 3BHK FLAT AVAILABLE

Agarwal Florence, Cts No. 905,
1 To 15, Village Pahadi,
Piramal Nagar, Goregaon West, Mumbai,
Maharashtra, Bharat- 400104

"Agarwal Oak" has been registered by Homewest Realty LLP ("the Promoter") via MahaRERA registration no. P51800031760, the details of which are available on the website https://maharera.mahaonline.gov.in under registered projects.

A NEW LANDMARK IS RISING.

COMING SOON
GOREGAON (E)

2 BHK, 3 BHK & JODI APARTMENTS WITH SPACIOUS BALCONIES

25,000+ HAPPY FAMILIES

6 MILLION SQ. FT. DELIVERED

3 LAKH SQ. FT. ONGOING

5 LAKH SQ. FT. UPCOMING

900 400 2018
www.agarwalgroup.net.in

अग्र क्रान्ति लाना है सारे विश्व में तुम्हें छा जाना है
महाराजा अग्रसेन की जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनायें
MOEL
आपकी डिश इंडियन हो, या वेस्टर्न
खानेका स्वाद बढायें...
देश का अपना तेल!
व्हिटामिन
A और D
के साथ
मुरली
रिफाईन्ड सोयाबीन व सरकी तेल
#VocalForLocal
MAHARASHTRA OIL EXTRACTIONS PVT. LTD.
DHULE | NANDURBAR | GANGAKHED

अग्र क्रान्ति लाना है

सारे विश्व में तुम्हें छा जाना है

महाराजा अग्रसेन की जन्म जयंती पर

हार्दिक शुभकामनायें

BGFC SINCE 1960

BOMBAY GOODS FREIGHT CARRIERS

Transportation Solutions For a Connected World

11, Prem Kunj, Gupta's, J.B Nagar , Andheri East

Mumbai Maharashtra, Bharat- 400 059

Ph.022-40824444, website : www.bfgcindia.com

महाराजा अग्रसेन जी ५१५० वाँ जन्मोत्सव

एक ईंट-एक रुपैया

वर्तमान में जहाँ राजस्थान व हरियाणा राज्य हैं किसी समय इन राज्यों के बीच सरस्वती नदी बहती थी, इसी सरस्वती नदी के किनारे 'प्रतापनगर' नामक एक राज्य था। भारतेन्दु हरिशचन्द्र के अनुसार-मांकिल ऋषि जिन्होंने वेद-मंत्र की रचनाएं की थी, की परम्पराओं में राजा धनपाल हुए। धनपाल ने 'प्रतापनगर' राज्य बसाया था। बतादें कि भारतेन्दु हरिश्चन्द्र द्वारा लिखित महालक्ष्मी व्रत कथा और गुरूकुल कांगडी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.सत्यकेतु विद्यालंकार द्वारा रचित 'अग्रवाल जाति का प्राचीन इतिहास' में छपा है कि राजा धनपाल की छठी पीढ़ी में महाराजा वल्लभ प्रतापनगर के शासक बने। महाराजा वल्लभ का काल महाभारत के काल के आसपास का माना जाता है। महाराजा वल्लभ के घर अग्रसेन और शूरसेन नामक 2 पुत्र हुए, युवा अवस्था में पहुंचने पर अग्रसेन प्रतापनगर की शासन व्यवस्था को देखते थे और शूरसेन सैन्य संगठन के कार्य को देखते थे, उनके राज्य में चारों और सुख-शांति थी, दोनों भाईयों में बहुत प्रेम था, अन्य राज्यों में उनके प्रेम के उदाहरण दिए जाते थे। अग्रसेन के जन्म के समय गर्ग ऋषि ने महाराजा वल्लभ से कहा था कि यह बहुत बड़ा राजा बनेगा, इनके राज्य में एक नई शासन व्यवस्था उदय होगी और हजारों-हजार वर्ष बाद भी इसका नाम अमर रहेगा।

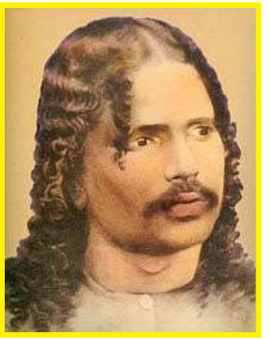
भारतेंदु हरिश्चंद्र

माधवी स्वयंवर : अग्रसेन ने जब युवा अवस्था में प्रवेश किया तब नागलोक के राजा कुमुद के यहां से राजकुमारी माधवी के स्वयंवर का समाचार आया, महाराजा ने अपने दोनों पुत्रों अग्रसेन और शूरसेन को इस स्वयंवर में भाग लेने के लिए भेजा, इस स्वयंवर में भू-लोक के ही नहीं अपितु देवलोक से भी अनेक राजकुमार भाग लेने आए थे, इन्द्र भी उनमें से एक थे, राजकुमारी माधवी ने जब स्वयंवर भवन में प्रवेश किया तो उसकी रूप-राशी को देखकर इन्द्र स्तब्ध रह गए, इन्द्र ने देखा कि देवलोक की अप्सराएँ भी राजकुमारी माधवी के सामने कुछ भी नहीं है। स्वयंवर में आए राजाओं व राजकुमारों का राजकुमारी से परिचय समाप्त होने के पश्चात अग्रसेन के गले में स्वयंवर की माला डाल दी गई। नागराज कुमुद अति प्रसन्न हुए, महलों में संख ध्वनि हुई, स्वयंवर में आए राजाओं व राजकुमारों ने अपनी ओर से बधाई और शुभकामनाएँ दीं, किन्तु दूसरी ओर इन्द्र कुपित होकर स्वयंवर स्थान से उठकर चले गए, उन्हें लगा कि माधवी ने अग्रसेन का वरण कर उनका अपमान किया है। महाराजा वल्लभ को भी प्रतापनगर समाचार भेजा गया। महाराजा वल्लभ अति प्रसन्न मन से बारात लेकर नागलोक पहुँचे, इस विवाह से नाग एवं आर्य कुल का नया गठबंधन हुआ था।

देवलोक पहुँचकर इन्द्र ने मन ही मन अग्रसेन से राजकुमारी माधवी को प्राप्त करने का षड़यंत्र रचा, एक तरफ नागलोक में अग्रसेन और माधवी का विवाह हो रहा था, वहीं दूसरी ओर इन्द्र अपने अनुचरों से प्रतापनगर में वर्षा नहीं करने का आदेश दे रहे थे, इन्द्र का मानना था कि जब राज्य में वर्षा नहीं होगी तो सूखे से जनता में त्राहि-त्राहि मचेगी। महाराजा वल्लभ वर्षा का अनुष्ठान करेंगे तब उनके सामने माधवी को मुझे सौंपने की शर्त रख दूंगा।

इन्द्र से संघर्ष : प्रतापनगर में भयंकर अकाल पड़ा, वहां पर त्राहि-त्राहि मच गई, राजा वल्लभ को जब इन्द्र के षड़यंत्र का पता चला तो उन्होंने इन्द्र से संघर्ष करने का निर्णय लिया। अग्रसेन और शूरसेन ने अपने दिव्य शास्त्रों का संज्ञान कर प्रतापनगर को विपत्ति से बचाया। दिव्य अस्त्रों से वर्षा तो खूब हुई लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं था? अग्रसेन के मन में एक विचार पैदा हुआ कि मेरे कारण राज्य संकट में आ गया है, अतः मेरा यह धर्म बनता है कि मैं समस्या का स्थायी समाधान करूँ। अग्रसेन ने भगवान शंकर की आराधना करने के लिए **शेष पृष्ठ १३ पर...**

पृष्ठ १२ से... वन में जाने का निश्चय कर लिया।

शंकर एवं महालक्ष्मी की आराधना : अग्रसेन ने अपनी भार्या माधवी से सारी बातें कहीं और यह भी कहा कि वह राज्य की सुख-शांति के लिए 'प्रतापनगर' छोड़ेंगे। माधवी ने भी उनके साथ जाने का निश्चय सुनाया, किन्तु अग्रसेन ने कहा कि मेरे कारण जो कष्ट राज्य में आया है उसे मैं ही दूर करूँगा। अग्रसेन के संकल्प की जानकारी जब राजा वल्लभ को हुई तो वह बहुत दुःखी हुए, उन्होंने अग्रसेन को समझाया कि इस वृद्ध अवस्था में पिता को छोड़कर नहीं जाना चाहिए। अग्रसेन अपने संकल्प के धनी थे, उन्होंने पिता से अनुरोध किया कि छोटा भाई सूरसेन यहां है, वह आपके साथ राज्य के कार्य को देखेगा, माधवी माता-पिता की सेवा में यहीं रहेगी।

भगवान शंकर का नाम लेकर अग्रसेन ने प्रतापनगर से प्रस्थान किया। काशी पहुँचकर वहां पर उन्होंने भगवान शंकर की तपस्या की और उनका आह्वान किया। अग्रसेन की कठिन तपस्या को देखकर भगवान शंकर ने दर्शन दिए। भगवान शंकर ने अग्रसेन से कहा कि तुम्हें अपने राज्य की सुख-समृद्धि के लिए महालक्ष्मी को प्रसन्न करना होगा। महालक्ष्मी समृद्धि की देवी हैं, उनकी समृद्धि के समक्ष इन्द्र भी कुछ नहीं हैं, यह कहकर भगवान शंकर अन्तरध्यान हो गए।

अग्रसेन ने महालक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए तपस्या करने का निश्चय किया। महालक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए एक विशाल यज्ञ किया गया, जिसमें उन्होंने ब्राह्मणों को दान दिया और उसके पश्चात् वन में जाकर महालक्ष्मी जी की तपस्या आरम्भ की। महालक्ष्मी प्रसन्न न हो, इसके लिए इन्द्र ने अग्रसेन की तपस्या में अनेक बाधाएँ उत्पन्न की किन्तु अग्रसेन तपस्या में लीन रहे, अनेक कठिनाईयां सहते हुए तपस्या जारी रखी, अग्रसेन की अटूट भक्ति को देखते हुए महालक्ष्मी जी प्रकट हुईं, उन्होंने अग्रसेन से कहा कि कुमार यह अवस्था तपस्या करने की नहीं है, इस उम्र में तो आपको त्याग के स्थान पर भोग करना चाहिए।

अग्रसेन माता महालक्ष्मी की अनुपम छवि देखकर अपलक निहारते रहे, उस अदभूत आभा के सामने अग्रसेन कुछ कहने की स्थिति में नहीं थे। महालक्ष्मी ने पुनः कहा, 'हे राजकुमार! तुम्हारी कठिन साधना पूर्ण हुई, संकट के दिन बीत गए, वरदान मांगो'।

अग्रसेन बोले 'हे मातेश्वरी! आप सारे संसार का कल्याण करने वाली हैं, आप परमशक्ति हैं, आपसे क्या छुपा हुआ है, आप शक्ति की प्रतीक हैं एवं भक्ति की दाता हैं, मैं आपको बार-बार नमन करता हूँ'।

महालक्ष्मी बोली, 'हे अग्रसेन! तुम यह कठिन तपस्या का मार्ग त्यागकर ग्रहस्थ धर्म में पुनः प्रवेश करो, इसी में तुम्हारा कल्याण है। मैं तुम्हें वरदान देती हूँ कि तुम्हारे सभी मनोरथ सिद्ध होंगे, तुम्हारे द्वारा सबका मंगल होगा।'

इस पर अग्रसेन बोले, 'हे मातेश्वरी! मेरी समस्या यह है कि इन्द्र ने मेरे राज्य में वर्षा बंद कर अकाल की काली छाया से सबको दुखी कर रखा है'।

महालक्ष्मी ने कहा, 'इन्द्र को अमरत्व प्राप्त है, साथ ही साथ वह ईर्ष्यालु भी है। आर्य और नागवंश की संधि और राजकुमारी माधवी के सौन्दर्य ने उसको दुःखी कर दिया है, तुम्हें कूटनीति अपनानी होगी। 'कोलापुर' के राजा ने अपनी पुत्री के लिए स्वयंवर रचा है, 'कोलापुर' के राजा भी नागवंशी हैं, यदि **शेष पृष्ठ १४ पर...**

महाराजा अग्रसेन की जन्म जयंती पर
हार्दिक शुभकामनायें

MAA HLA GROUP

M/S. B. HIMMATLAL AGRAWAL PVT. LTD.

71/A, Krishna House, S.T. Bus Stand Road, Ganeshpeth,
Nagpur, Maharastra, Bharat-440 018
Mob.: 8432105336,9764105336

अग्रसेन तो ज्योति किरण हैं मानवता की मूरत है
उनकी वाणी अजर अमर है आज की जरूरत है
महाराजा अग्रसेन जयंती पर
हार्दिक शुभकामनायें

Kishan Kumar Kedia
Mob: 09820072713

GARNET CONSTRUCTIONS LTD.

501, Laxmi Mall, Above Apex Bank Ltd.,
New Link Road, Andheri West,
Mumbai, Maharashtra, Bharat- 400053
Tel: 022-42578500

भारत को भारत ही बोला जाए
एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

पृष्ठ १३ से... तुम उनकी पुत्री का वरण कर लेते हो तो नागराज कुमुद के साथ-साथ 'कोलापुर' नरेश की महीरथ शक्तियाँ भी तुम्हें प्राप्त हो जाएंगी, इन शक्तियों के समक्ष इन्द्र को तुम्हारे सामने आने के लिए अनेक बार सोचना पड़ेगा? तुम निडर होकर अपने नए राज्य की स्थापना करो, तुम्हारे राज्य में कोई भी दुःखी नहीं होगा, 'यह कहकर महालक्ष्मी अन्तरध्यान हो गईं, अग्रसेन बार-बार उस पावन भूमि को प्रणाम करने लगे, जहाँ पर माता महालक्ष्मी के चरण-कमल पड़े थे, उसी समय महर्षि नारद प्रकट हुए, नारद को देख अग्रसेन ने प्रणाम किया। महालक्ष्मी द्वारा दिए वरदान से नारद को अवगत कराया और बोले, 'हे महर्षि! माता महालक्ष्मी के आदेश को पालन करने में मेरा मार्ग दर्शन करें और 'कोलापुर' की यात्रा के लिए मुझे भी अपने साथ ले चलें, नारद ने अग्रसेन को साथ लेकर कोलापुर के लिए प्रस्थान किया।

सुन्दरावती स्वयंवरः अग्रसेन महर्षि नारद के साथ 'कोलापुर' पहुँचे। 'कोलापुर' में नागराज महीरथ का शासन था, उन्होंने देखा 'कोलापुर', इन्द्र की 'अल्कापुरी' को भी मात दे रहा था। सम्पूर्ण 'कोलापुर' नगरी राजकुमारी सुन्दरावती के स्वयंवर में आनेवाले अतिथियों के सम्मान में जुटी हुई थी। नागकुमारी की चर्चा जगह-जगह हो रही थी। नागरिक बातों ही बातों में उस व्यक्ति को भाग्यशाली बता रहे थे, जिसको राजकुमारी सुंदरावती वरण करने वाली थी।

'कोलापुर' नगर के मध्य पहुंचने पर महर्षि नारद ने अग्रसेन से कहा कि अब आप अकेले ही रंगशाला में जाएँ। महर्षि को प्रणाम कर अग्रसेन स्वयंवर वाले स्थान पर पहुँचे, अग्रसेन ने वहाँ पर देखा कि भिन्न-भिन्न देशों के राजकुमार स्वयंवर में आए हुए हैं। वेष वदलकर अनेक गंधर्व व देवता भी राजकुमारी को वरण करने के लिए लालायित होकर इस स्वयंवर में भाग ले रहे थे। शूरसेन भी वहां विराजमान थे। अग्रसेन को देखते ही शूरसेन अपने आसन से खड़े हो गए, उन्होंने अपने अग्रज को प्रणाम कर बैठने के लिए स्थान दिया। अग्रसेन ने शूरसेन से महालक्ष्मी द्वारा दिए गए आशीर्वाद की चर्चा की और शूरसेन को इस बात के लिए आश्वस्त किया कि सुन्दरावती के साथ विवाह करने से माधवी के साथ कोई अन्याय नहीं होगा, मेरे लिए माधवी और सुन्दरावती दोनों ही बराबर रहेंगी। शूरसेन ने अपने अग्रज को कहा कि वे अब स्वयंवर में भाग नहीं लेंगे, इसी बीच नागकन्या सुन्दरावती ने रंगशाला में प्रवेश किया। 'कोलापुर' राज्य के महामंत्री ने वहां उपस्थित सभी स्वयंवर प्रतियोगियों का परिचय कराया। नागकन्या सुन्दरावती ने जब अग्रसेन को देखा तो ऐसा लगा कि वह ही उसके स्वामी हैं, जिनको वह हर जन्म में वरण करती आई हैं। मन ही मन नागकन्या ने भगवान शंकर को प्रणाम किया और अग्रसेन के आसन की ओर बढ़ चली। अग्रसेन के समक्ष जाकर सुन्दरावती ने अपनी वरमाला उनके गले में डाल दी। वरमाला डालते ही महल में नगाड़े बजने लगे, शंख की ध्वनि हुई। शूरसेन ने बड़े भाई अग्रसेन को प्रणाम कर बधाई दी।

नागराज महीरथ ने तुरन्त ही देश वाहक को प्रतापनगर भेजा और महाराज वल्लभ से बारात लेकर आने का अनुरोध किया। अग्रसेन और सुन्दरावती के विधिवत विवाह के पश्चात विदाई के समय नागराज कुमुद और नागराज महीरथ ने महाराजा वल्लभ से कहा, 'एक ही परिवार में दो-दो नाग कन्याओं का वरण कर आपने नागवंश के प्रति जो स्नेह दिखाया है, उसके लिए हम आपके हमेशा शेष पृष्ठ १६ पर...

अग्रसेन जी ने अग्रोहा नगरी बसाई कलरव करते
जीव-जन्तु शोभा मन हर्षाई, उत्तर-दक्षिण, पूर्व-पश्चिम में
गौरव छाया द्वापर युग के अंत में, ये महापुरुष आया

Pawan Kumar Agarwal
अध्यक्ष मारवाड़ी पंचायत गुमला
Mob: 70911 62470
Chairman Gali, Sisai Road,
At po. Gumla, Jharkhand, Bharat- 835207
भारत को 'भारत' ही बोला जाए
एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

पुरे अग्रवंश को आपने हमेशा इक पावन सूत्र में है बाँधा
जय हो महाराजा अग्रसेन का जैकारा, अग्रोहा से आपने दूर किया अँधियारा
महाराजा अग्रसेन जयंती पर हार्दिक शुभकामनाएं

Ramavtar Agarwal
Mob: 9830556652
Kolkata
A PROUD MEMBER OF
MERA RAJASTHAN

अग्रसेन जी के जीवन की शिक्षा हम अपनायें
उनके आदर्शों पर चलकर जीवन सुखी बनाएँ
महाराजा अग्रसेन की जन्म जयंती पर
हार्दिक शुभकामनायें

Bijay Kumar Agarwal
Mob. 9334701618

Pranami Group

Office : Pranami Neev Realty Limited A-1107, One Lodha Place,
Senapati Bapat Marg, Lower Parel, Mumbai, Maharashtra, Bharat- 400013
201, 2nd Floor, HP Chamber, Kutchery Road, Ranchi, Jharkhand, 834001
Phone: ((0651) 2207038 | Email: md@pranamigroup.com

अग्र क्रान्ति लाना है सारे विश्व में तुम्हें छा जाना है
महाराजा अग्रसेन की जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनायें

Durgaprasad Agarwal

ISO 9001:2000 COMPANY

DURATEX
fashion unscripted

DURATEX SILK MILLS PVT. LTD.

EXCLUSIVE FANCY FABRICS

Unit no.1802/1803, Signature Lotus, Captain Suresh Samant Marg, Off Veera Desai Road,
Andheri West, Mumbai, Maharashtra, Bharat- 400053
Tel.: 022 38148181 Fax : 91-22-28505716 Website : www.duratexindia.com E-mail : info@duratexindia.com

Factory : L-74, K-28, C/4/3 Tarapur Industrial Area, M.I.D.C., Tarapur, Boisar, Maharastra, Bharat - 401501
Tel.: 02525-326636 / 325506 / 260081 / 326848 Tel: fax : 02525-272706

पृष्ठ १४ से... आभारी रहेंगे, हम दोनों आपके साथ संकट की इस घड़ी में कंधा मिलाकर चलने का वचन देते हैं, यह दो परिवारों का मिलन नहीं अपितु दो संस्कृतियों का मिलन है'।

महाराजा वल्लभ ने दोनों नाग राजाओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, 'अग्रसेन के पैदा होने के समय ही यह बात सामने आ गई थी कि मेरा पुत्र संसार में अपनी छाप छोड़ेगा, आप लोगों से मिलन, इसी शृंखला की कड़ी है' महाराजा वल्लभ की बातें सुनकर दोनों नाग राजाओं ने उनके प्रति आभार व्यक्त करते हुए पुनः प्रणाम किया, इसके पश्चात महाराजा वल्लभ ने सभी के साथ 'प्रतापनगर' के लिए प्रस्थान किया।

अग्रसेन इन्द्र मैत्री : दो-दो नागवंशों से संबंध स्थापित करने के बाद महाराजा वल्लभ के राज्य में अपार सुख-समृद्धि व्याप्त हो गई। शासन व्यवस्था से प्रजा भी संतुष्ट थी, वहां महाराजा वल्लभ और उनकी पत्नी महारानी अपने दोनों पुत्रों की सेवा से हमेशा प्रसन्न रहते थे। 'प्रतापनगर' की सुख-समृद्धि देखकर इन्द्र के मन में पैदा हुई ईर्ष्या की भावना और भी बलवान हो रही थी लेकिन इन्द्र का वश नहीं चल रहा था, इन्द्र को ईर्ष्या की अग्नि में जलते देख उसकी पत्नी शची ने कहा कि आपको अग्रसेन से मैत्री सम्बन्ध स्थापित करना चाहिए, आप माधवी को अपनी बहन बनाएं और अग्रसेन को मित्र, इससे जहां आपके मन की विरह व्यथा भी समाप्त होगी और 'प्रतापनगर' और 'देवलोक' के बीच प्रतिदिन होनेवाले विवाद भी समाप्त हो जायेंगे।

इन्द्र को अपनी रानी शची का सुझाव अच्छा लगा, उन्होंने महर्षि नारद को बुलाया और अग्रसेन से संधि करने की बात कही। महर्षि नारद ने कहा, 'देव आपका सुझाव बहुत अच्छा है, आज जब सुर-असुर के संघर्ष से ही देवलोक त्रस्त हैं, ऐसे में 'प्रतापनगर' से संधि करना 'देवलोक' के हित में ही होगा'। इन्द्र का संदेश लेकर महर्षि नारद 'प्रतापनगर' पहुँचे। महर्षि नारद को अपने बीच पाकर राजा वल्लभ अति प्रसन्न हुए, उन्होंने उनको उचित सम्मान के साथ आसन पर बैठाया और अभिनन्दन किया। महर्षि नारद ने महाराजा वल्लभ से कहा, 'मैं आपके लिए शुभ समाचार लेकर आया हूँ' महर्षि नारद ने इन्द्र का संधि प्रस्ताव महाराजा वल्लभ के सामने रखा और कहा कि इन्द्र माधवी से क्षमा मांगने के लिए तैयार है। नारद का प्रस्ताव सुनकर महाराजा वल्लभ का मुख कमल की तरह खिल उठा, उन्होंने प्रस्ताव पर अपनी सहमति जताते हुए, इन्द्र को 'प्रतापनगर' आने का निमंत्रण दिया, महाराजा वल्लभ का निमंत्रण लेकर नारद ने देवलोक के लिए प्रस्थान किया। इन्द्र के आगमन पर 'प्रतापनगर' को बहुत ही सुन्दर ढंग से सजाया गया। सुगंधित फूलों से सारा 'प्रतापनगर' महक रहा था, विभिन्न रंगों के झरने बह रहे थे, स्वयं अग्रसेन ने नगर के बाहर मुख्य द्वार पर इन्द्र की अगवानी की, उन्हें बहुत ही सम्मान के साथ राजमहल में लाया गया।

महाराजा वल्लभ ने अपने साथ इन्द्र के लिए एक नया आसन लगवाया था, इन्द्र को अपने बराबर बैठाकर महाराजा वल्लभ ने यह संदेश दिया कि उनके मन में इन्द्र के प्रति कोई भी दुर्भाव नहीं है, इन्द्र ने अपनी भूलों के प्रति खेद प्रकट करते हुए माधवी से क्षमा मांगी और कहा कि आज जो संधि हमलोगों के बीच में हुई है वह संधि आपके वंशजों को हमेशा एक विशेष स्थान दिलाती रहेगी (आज भी अग्रवाल परिवार में जब विवाह होता है तो वर के द्वारा छत्र व चंवर का प्रयोग उसी परम्परा का प्रतीक है)

अग्रसेन और इन्द्र आपस में गले मिले, माधवी ने इन्द्र की आरती उतारी। आरती उतार कर उनका तिलक किया, इन्द्र ने उन्हें अखंड सौभाग्यवती रहने और पुत्रवती होने का वर दिया। इन्द्र ने माधवी को आशीर्वाद दिया कि उसके मन में अग्रसेन के प्रति हमेशा अनुराग बना रहे, इसके साथ ही इन्द्र ने वहां से विदा ली, महाराजा वल्लभ, अपने दोनों पुत्रों के साथ महल से बाहर आये और इन्द्र को विदाई दी।

शूरसेन विवाह : इन्द्र और अग्रसेन की मैत्री के समाचार से 'प्रतापनगर' के अधिपत्य का प्रभाव बढ़ा। 'मंदाकिनी' के किनारे बसे यक्ष राजा को इन्द्र-अग्रसेन मैत्री का संवाद प्राप्त हुआ, उसने महाराजा वल्लभ से अपनी पुत्री सुपात्रा का सूरसेन से विवाह की चर्चा की, युवराज अग्रसेन ने कहा कि 'प्रतापनगर' और 'नागलोक' की संधि से हम शक्तिशाली हुए हैं, यदि यक्षराज की पुत्री का शूरसेन से विवाह होता है तो हिमालय पर्वत के इलाके में बसे सभी राज्य 'प्रतापनगर' का लोहा मानने लग जायेंगे। महाराजा वल्लभ ने यशराज के प्रस्ताव को तुरन्त ही स्वीकार कर लिया, कुछ ही समय पश्चात शूरसेन का विवाह यक्ष कन्या सुपात्रा के साथ हो गया, इस तरह से महाराजा वल्लभ ने विभिन्न संस्कृतियों के साथ संबंध स्थापित कर एक नए इतिहास की रचना की।

महाराजा वल्लभ वृद्ध होते जा रहे थे, अतः उन्होंने निश्चय किया कि वह प्रतापनगर का राज्य अग्रसेन का सौंपकर वन की ओर प्रस्थान करेंगे, उन्होंने अग्रसेन और शूरसेन को बुलाकर अपना निश्चय बताया, इस पर अग्रसेन ने कहा, 'मैं पहले पूरे आर्यवर्त का भ्रमण करूँगा, उसके पश्चात् ही राज्य का भार सम्भालने के लिए सोचुँगा' अग्रसेन ने अपने पिता से अनुरोध किया कि 'जब तक मैं बाहर रहूँ शूरसेन ही राज्य की देखभाल करेगा' महाराजा वल्लभ और उनकी पत्नी ने अनिच्छा से अग्रसेन, माधवी और सुन्दरावती को भारत दर्शन के लिए विदा किया।

अग्रसेन ने अपनी दोनों पत्नियों के साथ दक्षिण के सभी तीर्थ स्थानों की यात्रा की, इस यात्रा के दौरान उन्हें अनेक प्रकार के अनुभव हुए। यात्रा के मध्य ही उन्हें महाराजा वल्लभ के अस्वस्थ होने का समाचार मिला, पिता के कुशल-मंगल रहने की प्रार्थना करने के साथ-साथ अग्रसेन ने अपनी यात्रा अधूरी छोड़कर 'प्रतापनगर' के लिए प्रस्थान कर लिया।

महाराजा वल्लभ का निधन : पिता के कुशलमंगल होने की भगवान से प्रार्थना करते हुए अग्रसेन जल्द 'प्रतापनगर' पहुँचने को उत्सुक थे, वह कम से कम पड़ाव डालते हुए 'प्रतापनगर' पहुँचे। अग्रसेन एवं दोनों **शेष पृष्ठ १७ पर...**

पृष्ठ १६ से... रानियों को देखकर महाराजा वल्लभ और महारानी अति प्रसन्न हुए। महाराजा वल्लभ का बहुत अच्छे वैद्य से उपचार चल रहा था किन्तु होनी को कौन टाल सकता है। महाराजा वल्लभ का अंतिम समय आ गया था, उन्होंने अपने सभी परिजनों को बुलाकर उनसे विदा मांगी और अपना नश्वर देह त्याग दिया।

गया में पिण्डदान : अग्रसेन ने शासन के सभी कार्य शूरसेन को सौंपकर महाराजा वल्लभ की प्रथम पुण्य तिथि पर गया में श्राद्ध करने का निश्चय किया, एक बार पुनः माता वल्लभी के साथ, अग्रसेन और दोनों रानियों ने प्रतापनगर से विदा ली, रास्ते में अनेक तीर्थों के दर्शन करते हुए वे सेवकों के साथ गया पहुँचे। गया पहूँच कर अग्रसेन ने सरयू नदी के किनारे अपना पड़ाव डाला और गौड़ पुरोहित को बुलाकर अपने पिता का पिण्डदान किया, पूरे श्राद्ध पक्ष में उन्होंने अपने सभी पितरों को आह्वान कर पिण्ड दान किया, अग्रसेन अति प्रसन्न थे कि उन्होंने अपने सभी पितरों को पिण्ड दान कर बार-बार जन्म लेने वाली योनि से मुक्त करा दिया।

लोहागढ़ यात्रा : गया से प्रारम्भ करते समय माता वल्लभी ने अग्रसेन को लोहागढ़ में जाकर महाराजा वल्लभ को पिण्डदान देने का सुझाव देते हुए कहा कि लोहागढ़ में पिण्डदान के बिना महाराजा वल्लभ को योनिचक्र से मुक्ति नहीं मिलेगी, अग्रसेन ने 'लोहागढ' की ओर प्रस्थान किया, लोहागढ़ में जाकर उन्होंने एक माह का प्रवास किया, वहां पर उन्होंने सभी कर्मकाण्ड पूरे कर अपने पिता का पिण्डदान किया।

एक माह की लम्बी साधना से महाराजा वल्लभ ने उन्हें दर्शन दिए और कहा, हे पुत्र! तुम्हारी साधना व 'लोहागढ़' में पिण्डदान से मुझे बार-बार जन्म लेने वाली योनि से मुक्ति मिली है और मुझे स्वर्ग में स्थान प्राप्त हो गया है, मेरा आशीर्वाद हर समय तुम्हारे साथ है, तुम यहां से आगे बढ़ो और सरस्वती व यमुना नदी के बीच एक वीर भूमि तुम्हें मिलेगी, उसी वीर भूमि पर एक नए राज्य का निर्माण करो' माता वल्लभी, अग्रसेन, दोनों रानियां माधवी व सुन्दरावती ने महाराजा वल्लभ को प्रणाम किया तथा लोहागढ़ से उस वीर धरा को खोजने चले, जिसकी महाराजा वल्लभ ने चर्चा की थी।

अग्रोहा निर्माण : लोहागढ़ सीमा से निकलकर अग्रसेन ने पंचनद (वर्तमान में पंजाब) राज्य में प्रवेश किया, पंचनद में एक स्थान पर उन्होंने एक सिंहनी को शावक (हाल ही में जन्मा शेर बालक) को साथ खेलते देखा। अग्रसेन अपने गजराज पर बैठे उस शावक को देख रहे थे, अचानक ही शावक उछला और गजराज के मस्तक पर आ बैठा। शावक को अचानक अपनी ओर उछल कर आते देख महावत भी नीचे गिर पड़ा। अग्रसेन ने शावक को उछलते हुए, महावत को गिरते हुए देखकर उन्हें अपने पिता की वह बात याद आ गई जिसमें उन्होंने वीर धरा पर एक नया राज्य बसाने की बात कही थी, वे वहीं गजराज से उतर पड़े, अपने साथ चल रहे ज्योतिषियों और पंडितों से उस स्थान के बारे में चर्चा की, सभी ने एकमत से कहा कि यह भूमि न केवल वीरभूमि है बल्कि चारों और हरी-भरी होने से कृषि उपज भी बहुत अच्छी होती है। अग्रसेन ने अपने सहयोगियों के साथ आसपास के क्षेत्रों का भी भ्रमण किया और उन्होंने देखा कि हर स्तर पर इस भूमि पर एक सुव्यवस्थित राज्य की स्थापना हो सकती है।

'प्रतापनगर' से शूरसेन को बुलाया गया। पुरोहित व ऋषियों को बुलाकर सबसे पहले यज्ञ किया, यज्ञ के पश्चात भवन निर्माण का कार्य प्रारम्भ हुआ, भवन निर्माण के कार्य प्रारम्भ के साथ ही उस वीर प्रसूता भूमि पर अग्रसेन ने अपना ध्वज फहराया। ध्वज फहराने के साथ ही अग्रसेन महाराजा बन गए, उन्होंने अपने भाई शूरसेन को तिलक कर 'प्रतापनगर' प्रस्थान का आदेश दिया और कहा, 'आज से 'प्रतापनगर' के तुम ही स्वामी हो, वहां के शासक के रूप में राज्य करो। राज्य व्यवस्था ऐसी सुदृढ़ और सुव्यवस्थित बनाओ, जिससे राज्य की रक्षा के साथ-साथ प्रजा भी सुख-शांति से रह सके' महाराजा अग्रसेन का आशीर्वाद पाकर शूरसेन ने 'प्रतापनगर' के लिए प्रस्थान किया।

शेष पृष्ठ १८ पर...

अग्रसेन जी के जीवन की
शिक्षा हम अपनायें
उनके आदर्शों पर चलकर
जीवन सुखी बनाएँ

Devendra Prasad Jajodia B.E. (HONS)
Mob: 09331860001
Jai Balaji Group
5, Bentinck Street, Kolkatta, West Bengal, Bharat-700001
Ph: 033-22489808 Fax : 91 033- 22430021
Email: dpjajodia@jaibalajigroup.com, chandisteel@jaibalajigroup.com
Email: Fact.: csi@jaibalajigroup.com Website: www. jaibalajigroup.com

पृष्ठ १७ से... महाराजा अग्रसेन अपनी नई राजधानी को बसाने में पूरा ध्यान दे रहे थे, हर आगंतुक उनके लिए एक सम्मानित व्यक्ति था, लोकोक्ति एवं भाटों के गीतों के अनुसार उस समय महाराजा अग्रसेन ने 18 बस्तियां बसाई थीं। ऋषि-मुनियों और ज्योतिषियों की सलाह पर नए राज्य का नाम आग्रेयगण (जिसे आज 'अग्रोहा' के नाम से जाना जाता है) रखा गया और राजधानी का नाम 'अग्रोदक' रखा गया। महाराजा अग्रसेन ने सभी प्रजाजनों को सुखी और सम्पन्न बनाने के लिए शासन से सभी तरह की सुख-सुविधाएँ उपलब्ध करवाई। प्रजाजन भी महाराजा अग्रसेन के प्रति पूरी तरह से समर्पित थे। राज्य में 'जिओ और जीने दो' की कहावत पूरी तरह से चरितार्थ हो रही थी। महाराजा अग्रसेन की शासन व्यवस्था से पड़ोस के दूसरे राज्य भी अपने यहां पर 'अग्रोदक' के समान नई व्यवस्था लागू कर रहे थे, अपने नए राज्य में अग्रसेन बहुत ही प्रसन्न थे।

विश्वमित्र का आगमन : महाराजा अग्रसेन राजदरबार में बैठे हुए थे, मंत्रीगण आपस में चर्चा कर रहे थे। महाराजा अग्रसेन शासन का काम-काज तो बराबर देखते ही थे, लेकिन रह-रह कर उन्हें परशुराम का श्राप याद आ जाता। श्राप के कारण वह चिंतित से रहने लगे थे, एक दिन दरबान ने आकर ऋषि विश्वमित्र के आगमन की सूचना दी। ऋषि के आगमन की सूचना पाकर महाराजा अग्रसेन नंगे पांव उनकी अगवानी के लिए बाहर आए। उनको स-सम्मान लाकर राजदरबार के उच्च आसन पर बैठाया और उनकी चरण वंदना की। ऋषि विश्वमित्र ने देखा कि महाराजा अग्रसेन के मन में जितना उत्साह है उतना उनके चेहरे पर तेज नहीं है? ऋषि विश्वमित्र ने महाराजा अग्रसेन से पूछा कि 'नरेश आपके मुख-मण्डल पर जो तेज होना चाहिए वह क्यों नहीं है' महाराजा अग्रसेन ने परशुराम से सामना होने व उनके द्वारा दिए गए श्राप की सारी घटना बताई, ऋषि विश्वमित्र ने कहा कि आर्य शत्रु को आप अपने बुद्धि व बल से हराओ, न कि शक्ति से, आपको पुनः कुलदेवी महालक्ष्मी की तपस्या करनी होगी और उनसे इस श्राप से मुक्त होने का वरदान मांगना होगा, यही आपकी समस्या का उचित समाधान है, आप यमुना के किनारे दोनों नासुताओं के साथ 'विष्णुप्रिया' लक्ष्मी का ध्यान करें और उनसे संतान प्राप्ति का वरदान लें।

महालक्ष्मी की आराधना : अग्रसेन ने विश्वमित्र का मार्ग-दर्शन के लिए आभार व्यक्त किया। यमुना के किनारे एक स्वच्छ जगह देखकर महाराजा अग्रसेन ने अपने लिए कुटिया बनवाई, वहां पर सभी ऋषि-मुनियों को निमंत्रित कर एक विशाल यज्ञ किया। यज्ञ सम्पन्न होने के पश्चात महाराजा अग्रसेन और दोनों रानियों ने निराहार रहने का संकल्प कर महालक्ष्मी के ध्यान में बैठ गए।

महाराजा अग्रसेन और दोनों रानियों की कठिन तपस्या को देखकर महालक्ष्मी प्रकट हुईं। महालक्ष्मी ने अग्रसेन से वरदान मांगने को कहा। महाराजा अग्रसेन और दोनों रानियों ने विष्णुप्रिया को प्रणाम कर संतान का आशीर्वाद मांगा। महालक्ष्मी बोली, 'मैं आप लोगों की तपस्या से बहुत प्रसन्न हूँ और अपना आशीर्वाद देती हूँ कि आपको जो संतान प्राप्त होगी वह युगो-युगो तक आपको अमर कर देगी, जब तक आपकी संतान मेरी पूजा करती रहेगी, तब तक आपके परिवार पर मेरी कृपा दृष्टि बनी रहेगी।'

महालक्ष्मी का वरदान पाते ही श्राप की काली छाया समाप्त हो गई। महाराजा अग्रसेन, महारानी माधवी और सुन्दरावती तीनों ने आहार ग्रहण किया और अग्रोहा की ओर प्रस्थान करने का निश्चय किया।

बनवास गमन: अश्वमेघ यज्ञ के 108 वर्ष पश्चात महाराजा अग्रसेन ने विभु को शासन व्यवस्था सौंपकर दोनों महारानियों के साथ वन की ओर प्रस्थान कर लिया, अनेकों वर्ष वन में सन्यासी बन कर रहे और उनके पुण्य कार्यों के परिणाम स्वरूप आदिपिता ब्रह्मा ने महाराजा अग्रसेन व दोनों महारानियों को स्वर्ग में स्थायी स्थान प्रदान कर 'अग्रोहा' पर उपकार किया।

जन-जन के सरताज महाराजा अग्रसेन जयंती पर
समस्त 'मेरा राजस्थान' के प्रबुद्ध पाठकों को
हार्दिक शुभकामनाएं

KAMAL DHANUKA & CO.
Chartered Accountants
Office No. 209, 2nd Floor, Keytuo Industrial Estate,
Kondivita Road, Andheri East, Mumbai, Maharashtra, Bharat - 400059
Ph.: 022-49687351, 45006076 Email : cakamaldhanuka@yahoo.com

अग्रसेन तो ज्योति किरण हैं मानवता की मूरत है
उनकी वाणी अजर अमर है आज की जरूरत है
महाराजा अग्रसेन जयंती पर
हार्दिक शुभकामनायें

AMIC
G. L. Chamaria
Managing Director
MOB.: 98310 76344

AMIC Forging Ltd.
3A, Garstin Place 2nd Floor,
Kolkata, West Bengal, Bharat- 700001
Off.: 033-4066-8190
Email: amic@amicforgings.com,
glchamaria@rediffmail.com

महाराजा अग्रसेन की जयंति पर उनके आदर्शों का पालन कर समाज व राष्ट्र को उन्नत करें

समाजवाद एवं लोकतंत्र के प्रणेता, अहिंसा के पुजारी, युग प्रवर्तक शांतिदूत, सुर्यवंशी महाराज अग्रसेनजी, भगवान रामचंद्र कुल की ३४ वीं पीढी से हैं तथा भगवान श्रीकृष्ण के समकालीन हैं। करोड़ों अग्रवालों के पितामह श्री अग्रसेनजी की ५१५ जयंति सोमवार २२ सितम्बर २०२५ को है, इस पावन जन्म तिथी पर महाराज अग्रसेनजी के प्रेरणाप्रद सिद्धान्तों का अनुसरण करें:

कुछ मुख्य परियोजनाएं:

➡ **दिन में शादी करने की प्रथा शुरू करें:** मुगल कालीन शासन के पहले शादियां दिन में ही की जाती थी। वैदिक ढंग से की जानेवाली शादियों में सुर्य भगवान का साक्षी होना जरूरी है तथा हवन भी दिन में ही किया जा सकता है। बिजली आदि का खर्चा नहीं लगता तथा घर के सभी लोग इसमें भाग ले सकते हैं, अत: शादी दिन में शुरू करने की प्रथा की जानी चाहिये। शादियां मंदिर या अन्य सात्विक स्थानों पर ही की जानी चाहिये, ताकि शुद्ध वातावरण मिल सके।

➡ **शादियों में फिजुल खर्ची रोकी जानी चाहिए:** बढती फिजुल खर्ची को रोकने के लिए केन्द्रीय सरकार एक विधेयक लाने की सोच रहा है, जम्मू-कश्मीर सरकार ने इस प्रकार का प्रावधान भी लागू कर दिया है, जिसने मेहमानों तथा व्यंजनों की सीमा निर्धारित की गयी है।

➡ **केक काटने की प्रवर्ती पर रोक:** देखा देखी 'डे' संस्कृति बढती जा रही है जो पाश्चात्य ढंग से मनायी जाती है, यहाँ तक की जन्मदिन, संस्कार तथा अन्य सभी उत्सवों पर केक काटने की संस्कृति बढती जा रही है। बर्थडे, सिल्वर जुबली, शादी की सालगिरह आदि उत्सवों की भूमिका बढती जा रही है, जिससे काफी फिजूल खर्ची होती है, इन उत्सवों पर परोपकारी व कल्याणकारी गतिविधीयां की जा सकती हैं, जिससे समाज का विकास हो, दिखावे व शोबाजी पर किये जानेवाले खर्चे से गरीब बेटियों की शादी की जा सकती है।

➡ **संसद दीर्घा में चित्र:** संसद में हमारे पितामह महाराज अग्रसेन जी का चित्र लगाया गया है, कारण सांसदों को भी उनके आदर्शों से प्रेरणा मिले।

➡ **कमजोर वर्ग के लोग आर्थिक सहायता के** **शेष पृष्ठ २० पर...**

अग्रसेन जी के जीवन की शिक्षा हम अपनायें
उनके आदर्शों पर चलकर जीवन सुखी बनाएँ
महाराजा अग्रसेन जयंती पर
हार्दिक शुभकामनायें

Ashok Khetan
Mob: 9977000011

Arun Khetan
Mob: 9977000099

KBPL
KHETAN BUILDCON PVT. LTD.
'A' Class Contractor in C.G.

260, Khetan Building, Moudhapara, Raipur,
Chhatisgadh, Bharat-492001
Ph: 0771-2537911 Email: khetan11@yahoo.co.in

अग्र क्रान्ति लाना है
सारे विश्व में तुम्हें छा जाना है महाराजा अग्रसेन
की जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनायें

SHRIJEE HEAVY PROJECTSWORKS LTD.
Manufacture Of Sugar Machinery

Off. Ad.: A 504-505, Dynasty Bussuness Park,
Near Kohinoor Continetal, J B Nagar,
Andheri East, Mumbai, Maharashtra, Bharat- 400059

भारत को भारत ही बोला जाए
एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

पृष्ठ १९ से... **लिए अग्र बैंक की स्थापना:** समाज के जो कमजोर वर्ग हैं उन्हें आर्थिक सम्बल प्रदान कर आजिवीका कमाने में सहयोग किया जाना चाहिए, इसके अलावा जो लोग शिक्षा, चिकित्सा खर्च को वहन नहीं कर सकते हैं उन्हें मदद दी जानी चाहिए। कन्या विवाह के लिए असमर्थ माता-पिता को आर्थिक व अन्य मदद मुहैया कराने की जरूरत है, अभी जो व्यवस्था है उनके तहत हजार-दो हजार रूपये दिये जाते हैं, जो पर्याप्त नहीं होते, वित्तिय सहायता के लिए 'अग्रसेन बैंक' की स्थापना 'भारत' के हर शहर-नगर में की जानी चाहिए।

➡ **मेरीज ब्युरो की स्थापना:** राष्ट्रीय स्तर की वेबसाईट बनायी जानी चाहिए जिस पर विवाह योग्य लड़के-लड़कीयों का जीवन परिचय हो, विवाह योग्य युवक युवतियों के परिचय बैंक बनाना चाहिए, जिससे सुयोग्य वर-वधू का चयन किया जा सके, सामुहिक विवाह को भी प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, यह व्यवस्था हर जिले स्तर पर होनी चाहिए।

➡ **रोजगार ब्युरो की स्थापना:** समाज के संपन्न लोगों को व्यापार व व्यवसाय के लिए कर्मचारीयों की जरूरत होती है, उसी तरह समाज के नवयुवकों को रोजगार की जरूरत होती है, रोजगार ब्युरो का संग्रह कर दोनों वर्गों को लाभान्वित किया जा सकता है।

➡ **काऊंसलिंग सेन्टर की स्थापना:** भाईयों-भाईयों में झगड़े निपटाने के लिए तथा अन्य व्यावसायिक आर्थिक व पारिवारिक झगड़ों के निवारण के लिए समाज के प्रतिष्ठित लोगों का एक सेल होना चाहिए जो मार्गदर्शन का काम कर सके, इसी तरह सगाई छुटना या विवाह के बाद विवाद हो जाने पर समाज अपनी भूमिका निभा कर सकारात्मक सुलह करा सकता है। बढते अधेड़ उम्र के लड़के-लड़कियों की भी काऊंसलिंग जरूरी है।

९) गृह निर्माण योजना: जरूरतमंद भाई-बहनों को अफोर्डेबल हाऊसिंग की सुविधा समाज उपलब्ध करा सकता है जिसके तहत लागत भावों पर जरूरतमंद को मकान उपलब्ध कराये जा सकते हैं।

१०) स्व-सुधार संस्था: आर्थिक योगदान के साथ-साथ राजनैतिक तंत्र में योगदान बढाने के लिए पब्लिक स्पीकींग शुरू किया जाये तथा स्व-सुधार कार्यक्रम शुरू कर नये नेताओं का निर्माण किया जा सकता है।

➡ **युवा व महिला संघ की स्थापना:** समाज के युवा वर्ग को मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए एक युवा संघ की स्थापना की जाना चाहिए, यह 'कैरीयर गायडेन्स' सेंटर का काम भी कर सकता है ताकि युवकों का भविष्य दिगदर्शन किया जा सके, इसी तरह महिला विंग की भी स्थापना की जानी चाहिए।

➡ **व्यापार उद्योग परकोष्ठ की स्थापना:** नये जमाने में उपलब्ध नये व्यापार उद्योग अवसरों की जानकारी व अन्य सहायता प्रदान करने के लिए व्यापार व उद्योग प्रकोष्ठ की स्थापना की जानी चाहिए ताकि समाज के लोगों को जरूरी जानकारी व सहायता उपलब्ध करायी जा सके।

➡ **बढती मठाधीशता को रोकें:** सामाजिक संस्थाओं के विभीन्न पदों पर एक ही व्यक्ति १५-२० वर्षों तक बना रहता है, जरूरी है परिवर्तन, हर २-३ साल के बाद नेतृत्व बदलता रहे ताकि संस्थाओं में नवचेतना का संचार हो सके।

➡ **संस्कार शिबिर लगायें:** युवा पीढी को भारतीय सभ्यता संस्कृति व प्रकृति से जोड़ने के लिए संस्कार शिबिरों का आयोजन किया जाना चाहिए जिसके द्वारा सांस्कृतिक गौरव व परम्परागत विषयों की जानकारी दी जा सके और सनातन धर्म को आगे बढाया जा सके।

अग्र क्रान्ति लाना है
सारे विश्व में तुम्हें छा जाना है
महाराजा अग्रसेन की जन्म जयंती पर
हार्दिक शुभकामनायें

Santosh Poddar
Mob. : 9820289900

Matushree Real Estate Dev. Pvt. Ltd
B-2303/04, Garden Estate, Mahakali Mandir Marg,
Off.New Link Road, Goregaon West,
Mumbai, Maharashtra, Bharat-400104

भारत को 'भारत' ही बोला जाए
एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

अग्र क्रान्ति लाना है सारे विश्व में तुम्हें छा जाना है
महाराजा अग्रसेन की जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनायें

Laxmikant Kedia
Mob. 9820057216

Rahul Kedia
Mob. 9820026146

Shree Shankar Silk Mills Pvt. Ltd.
601, Rajkailash, Opp. Fidai Baug, V.P. Road,
Andheri West, Mumbai, Maharastra, Bharat-400058
Ph. : 022-65740985 / 65104772

भारत को भारत ही बोला जाए
एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

आसुरी शक्तियों पर विजय के लिए की जाती है 'दुर्गापूजा'

आसोज सुदी एकम से आसोज सुदी नवमी तक देवी की पूजा नौ दिन तक की जाती है, इसीलिये उसे 'नवरात्र' या 'महापूजा' कहा जाता है, इसमें पूजा करना मुख्य कार्य है जबकि उपवास, एकासना (एक वक्त भोजन) नव व्रत आदि तो पूजा के अंग मात्र हैं, इसमें अपने-अपने कुल के आधार पर ही नवरात्री के नियमों की अनुपालना करनी चाहिये, किसी के घर में पूजा-पाठ नहीं हो सकती तो कहीं और पूजा-पाठ करना अनिवार्य होता है, कुछ लोग तो केवल व्रत ही करते हैं जबकि वे पूजा-पाठ और हवन नहीं करवाते, वे अपने-अपने कुल-धर्म के अनुसार इस व्रतोत्सव का अनुष्ठान कर सकते हैं।

सामान्यतः नवरात्रि का शुभारम्भ 'एकम' तिथि से होता है किन्तु जब कभी एकम टूट जाती है अथवा कभी तिथि बढ़ जाती है तब क्या करना चाहिए, इसकी जानकारी करनी भी आवश्यक है? नियम तो यह है कि प्रतिपदा के दिन तिथि 6 घड़ी, 4 घड़ी, 2 घड़ी रहे तो उसे ही प्रतिपदा मान ली जाती है। अमावस्या के दिन यदि प्रतिपदा आ जाये तो भी अमावस्यायुक्त प्रतिपदा का यह अनुष्ठान नहीं करना, यदि प्रतिपदा के दिन तिथि दो घड़ी से कम हो बिल्कुल नहीं हो, तभी उसे अमावस मान लिया जाता है। देवीपुराण की कथा से युक्त प्रतिपदा को चंडिका का पूजन न करें। 'प्रतिपदसत्वे अमायुक्ताऽपिग्राहया' अर्थात् यदि एकम क्षय हो और प्रतिपदा न हो तो अमावस्या में भी स्थापना की जा सकती है।

नवरात्र के प्रारम्भ का उल्लेख शास्त्रग्रंथों में भी हुआ है जिसे 'आद्यपादौ परित्यज्य, प्रारभेत, नवरात्रकम्' पंक्ति से प्रमाणित किया जा सकता है, इसका यह अभिप्राय है कि पहले 10 घड़ी छोड़कर यह व्रत आरम्भ किया जाये, यदि चित्रा वैधृत योग हो तो उसके अन्त में आरम्भ करें यदि उस दिन चित्रा-वैधृत पूरे हो तो तिथि के चौथे हिस्से से पूजा करनी चाहिए, इस पूजा के अधिकारी सभी वर्ग के लोग समान रुप से माने गये हैं। ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र, मलेच्छ यहाँ किसी भी श्रेणी का व्यक्ति इसका अधिकारी हो सकता है। पूजा-पाठ करने का अधिकार तो सब को प्राप्त है किन्तु शुद्र और म्लेच्छ लोगों को होम करने का अधिकार नहीं है।

प्रतिपदा से नवमी पर्यन्त नव पाठ अवश्य करने चाहिए, यदि कार्य में बाधा हो तो तृतीया से नवमी तक 7 पाठ अथवा पंचमी से नवमी तक 5 पाठ अथवा सप्तमी से नवमी पर्यन्त तीन पाठ अथवा अष्टमी को एक पाठ या नवमी को एक पाठ करें। नवरात्र में चाहे एक ही पाठ क्यों न हो, वह अवश्य करना ही चाहिये, उसमें अखण्ड दीपक रखें या पाठान्त कर उसे प्रज्जवलित करें, यह साधक की इच्छा और क्षमता पर निर्भर है।

शेष पृष्ठ २२ पर...

अग्र क्रान्ति लाना है सारे विश्व में तुम्हें छा जाना है
महाराजा अग्रसेन की जन्म जयंती पर
हार्दिक शुभकामनायें

DINDAYAL GUPTA

DOLLAR
WEAR THE CHANGE

DOLLAR INDUSTRIES LIMITED

32, Jawaharlal Nehru Road, Om Tower,
15Th Floor, Kolkatta, State -West Bengal,

8/624, Avinashi Gounder Palayam,
B/H West Coast Industries, Angeri Palayam Road,
Tirupur, Tamil Nadu, Bharat -641603

पृष्ठ २१ से... दूर्गापूजा

प्रातःकाल, दोपहरी या तीसरे प्रहर के बाद कलश-स्थापन करें, प्रातः जल्दी उठें। उबटन (मालिश) कर आंवला से स्नान करें, फिर पवित्र वस्त्र पहन कर संकल्प करें- 'मैं देवी की प्रीति पाने के लिये, सारी विपत्तियों का निवारण करने के लिये, धनपुत्रादि की वृद्धि के लिये, जय तथा कीर्ति की उपलब्धि के लिए प्रतिपदा से नवमी पर्यन्त नवरात्र पूजा, गणपति पूजा, स्वस्तिवाचन के द्वारा चण्डी की आराधना करें' फिर लाल कपड़ा बिछावें और उस पर अष्टदल बनाकर कलश स्थापन करें, तदुपरांत गणपति पूजन तथा स्वस्तिवाचन का कर्मानुष्ठान किया जाये।

कलश-स्थापना के समय, 'महिद्यो' मंत्र बोलते हुए जमीन पर हाथ रखें। 'औषधयः' मंत्र से जव डालें, उसमें गंगाजल मिलावें और गन्ध द्वारा उसकी सुगन्ध बढ़ावें या 'औषधीयः' मंत्र से कूट, छाल, छबील, हल्दी, वच, चमेली, नागरमोथा तथा दगड़फूल भी डालें। 'कण्डात्' मंत्र से दूब डालें। 'अश्वत्थेयौ' मंत्र से पीपल, बड़, गूलर, आम कणेर के पत्ते मिलावें। 'स्योना प्र' मंत्र से उसमें गजशाला, घुड़साल, राजद्वार, रथशाला, चौराहा, गौशाला तथा तालाब की मिट्टी डालें। ''याफलिनी'' मंत्र से सुपारी, 'साहित्नानि' मंत्र से पंचरत्न (सोना, चांदी, पन्ना, नीलम, हीरा) डालें। 'युवा सुवासाः' मंत्र से लाल वस्त्र लपेटें, 'पूर्णादर्वि' मंत्र से पूर्णपात्र तथा वरुण देव का आवाहन करें।

जवारा लगाना

पवित्र मृत्तिका (मिट्टी) का पात्र, तालाब की मिट्टी, गौबर, जव और पूजा की सामग्री तैयार कर जवारे लगाना चाहिए। मिट्टी के पात्र में मिट्टी साफ करके 'महिद्यौ' मंत्र से मिट्टी डालकर 'गावश्चिद्' मंत्र से उसमें गोबर डालना, 'औषध्य' मंत्र से जव मिलाना और 'वरुणो' मंत्र से जल सींचना चाहिए, फिर 'वाटिकास्वरुपायै नमः' मंत्र से आवाहन-ध्यान पूजन करें, फिर नमस्कार करके पाठ में बैठने वाले ब्राह्मण को 'नमोस्वनन्ताय' मंत्र द्वारा तिलक-पुष्प-अक्षत-चढ़ावें। 'व्रतेन दीक्षा' मंत्र से वरणी बाँधे, सुपारी और दक्षिणा देवें और फिर पाठ करें।

पाठ के प्रकार

ब्राह्मण का वरण करने के बाद आसन पर बैठकर यह संकल्प करें-यजमानेन वृताऽहं चण्डीपाठं, नारायणहृदयं, लक्ष्मीहृदयं पाठं वा करिष्ये।' तप्तश्चात् सप्तशती का पाठ करना चाहिये अन्यथा 'नारायण हृदय' तथा लक्ष्मी हृदय का भी पाठ कर सकते हैं, पाटे पर पुस्तक रखें, नारायण को नमस्कार करें।

नारायणं नमस्कृत्यं नरंचैव नरोत्तमम्।
देवीं सरस्वतीं व्यासें ततो जयमुदीरयेत्।।

हिन्दी अनुवाद - नारायण को नमस्कार करने के पश्चात् नरों और नरों में श्रेष्ठ भगवान श्री कृष्ण, देवी महर्षि व्यास को प्रणाम कर 'जय महाकाव्य' का पाठ करना चाहिए, फिर नियमानुसार अथवा शाक्त पुस्तक पूजा करें। 'ॐ ऐं, हीं क्रीं चामुण्डायै विच्चै नमः' इस मंत्र के द्वारा गन्धपुष्पादि चढ़ावें और फिर पाठ करें।

पाठ के नियम - प्रत्येक मंत्र के आदि और अंत में (ॐ) का उच्चारण अवश्य करें और हाथ में पुस्तक नहीं पकड़ें, लिखित पुस्तक ब्राह्मण के द्वारा लिखी गई ही काम में लेवें। अध्याय की समाप्ति पर ही रुकें, बीच में नहीं रुकें, अगर विराम हो जाये तो अध्याय वापिस पढ़ें, ग्रन्थ के अर्थ को समझाते हुए, साफ-साफ उच्चारण करें तथा न तो जोर से और न धीरे से पढ़ें, उपसर्ग की शांति के लिए 3 पाठ करें।

अग्रसेन तो ज्योति किरण हैं, मानवता की मूरत है
उनकी वाणी अजर अमर है, आज की जरूरत है
महाराजा अग्रसेन जयंती पर
हार्दिक शुभकामनाएं

Omprakash P. Agarwal
Chairman
भ्रमणध्वनि : 09422285417
Anup Bhaiya O. Agarwal
BJP MLA Dhule
Geeta Niwas, 18 Agarwal Nagar, Malegaon Road,
Dhule, Maharashtra, Bharat-424001

अग्र क्रान्ति लाना है,
सारे विश्व में तुम्हें छा जाना है
महाराजा अग्रसेन की जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनाएं

स्व. श्री सत्यनारायणजी अग्रवाल
श्री सत्यनारायण अग्रवाल चेरीटेबल ट्रस्ट
स्मिता स्टील
रोलिंग मिल्स प्रा. लि.
२१३-२१५, गोकुल आर्केड, अंधेरी सहार रोड,
गरवारे चौक, विले पार्ले पूर्व, मुंबई, महाराष्ट्र, भारत-४०००५७
दूरभाष: ०२२-२८३७०६१३, २८२०८८७१, २८३७०६४८
Email : office@smitasteels.com
भारत को 'भारत' ही बोला जाए Remove 'INDIA' Name From The Constitution

'एक ईंट-एक रुपये' की भावना

सम्पूर्ण भारत में फैलानी चाहिए

महाराज अग्रसेन अपने युग की एक महान विभूति थे, वे एक कुशल राजनीतिज्ञ थे, पराक्रमी योद्धा थे और प्रजा के हितकारी सहृदय राजा थे। अपनी प्रजा एवं राज्य की सुरक्षा के लिये उन्होंने सुरक्षित 'अग्रोहा' नगर बसाया, सुदृढ़ कोट से घिरा नगर, जिसमें करीब सवा लाख से भी अधिक घरों की बस्ती थी, उनके सबल हाथों में प्रजा सुरक्षित थी, इसीलिए नागरिक निश्चिन्त होकर अपने काम-धन्धे में लगे रहते थे। 'अग्रोहा' पूर्णत: वैश्य-राज्य था, व्यापारियों, किसानों, कर्मकारों, शिल्पकारों और उद्योग-धन्धे करने वालों का राज्य...

वैश्य होते हुए भी महाराज अग्रसेन क्षत्रियों से भी अधिक कुशलता से शासन का संचालन करते थे। राज्य दिनों-दिन फल-फूल रहा था। नये-नये उद्योग-धन्धे पनप रहे थे, व्यापार-व्यवसाय उत्तरोत्तर उन्नति कर रहे थे।

देश-विदेश में मधुर राजनयिक तथा व्यावसायिक सम्बन्ध स्थापित होते जा रहे थे। दशों दिशाओं से धन-वैभव, सुख-सम्पदा उनके राज्य में बरस रहे थे। 'अग्रोहा' दिन दूनी और रात चौगुनी समृद्धि की ओर बढ़ता ही जा रहा था।

अग्रोहा के वैभव और महाराज अग्रसेन की महानता की चर्चा चारों ओर फैल चुकी थी, अन्य राज्यों में बसे वैश्यगण भी इस राज्य की ओर आकर्षित होने लगे, जो सम्पन्न वैश्य अपने को किसी कारणवश कहीं असुरक्षित समझते थे, वे 'अग्रोहा' में आकर बसने लगे।

अन्य राज्यों से उपेक्षित तथा विपन्न वैश्य भी आश्रय पाने के लिए यहाँ आने लगे। वैश्य-नगरी 'अग्रोहा' का विस्तार बढ़ता गया और महाराज अग्रसेन का यश दूर-सुदूर तक फैलता गया।

'अग्रोहा' में इस प्रकार प्रतिदिन आने वाले वैश्यों के कारण राज्य के सामने उनके पुनर्वास की समस्या खड़ी हो गई। धनवान वैश्यों के सम्बन्ध में तो कोई विशेष अड़चन नहीं थी, उनके आवास के लिए भूमि राज्य की ओर से उपलब्ध करा दी गई। सम्पन्न लोग उस पर अपना भवन बनाकर बस गये तथा उद्योग-व्यवसाय में लग गये, परन्तु निर्धनों की समस्या विकट थी, वे स्वयं विपन्न और असहाय थे, उनके आवास और व्यवसाय का प्रबन्ध आवश्यक था, ऐसा न करने पर राज्य में अव्यवस्था व अराजकता फैलने का डर था।

सहृदय महाराज ऐसे लोगों के राज्य में प्रवेश पर प्रतिबन्ध भी नहीं लगाना चाहते थे पर दु:ख कातर थे महाराज अग्रसेन! वे ऐसे असहायों को शरण तथा आश्रय देना अपना प्रथम कर्त्तव्य एवं परम धर्म मानते थे, अत: लोग आते रहे। राज्य-कोष से उन्हें बसाने तथा धन्धे पर लगाने की व्यवस्था की जाती रही, यह क्रम चलता रहा, परन्तु कब तक? आने वालों की कोई सीमा नहीं थी, धीरे-धीरे राज्य-कोष कम होने लगा, राज्य की आर्थिक स्थिति क्षीण होने लगी।

मन्त्री-परिषद भी इस स्थिति से चिन्तित था। राज्य-कोष निरन्तर घट रहा था। स्थिति यहाँ तक पहुँच गयी थी कि राज्य के आवश्यक कार्यों के लिए भी धन की कमी अनुभव होने लगी। आखिर मन्त्री परिषद ने यह निर्णय ले ही लिया कि बाहरी लोगों को बसाने के लिए राज्य-कोष से अब और व्यय नहीं किया जा सकेगा, महाराज को इस निर्णय से बड़ा दु:ख हुआ।

असहाय लोगों को सहायता न मिलने से उनका कोमल हृदय व्यथित रहने लगा। राज्यकोष की भी स्थिति दयनीय थी, वे उस पर बलात् और अधिक भार डाल भी नहीं सकते थे, वे उदास तथा चिन्तित रहने लगे।

महाराजा सदा इसी विकट समस्या का समाधान ढूँढने में लगे रहते और रात-दिन वे इसी पर विचार करते रहते थे। विद्वानों-मनीषियों से सलाह मशवरा करते, परन्तु कोई हल नहीं निकल रहा था। व्यथा और चिन्ता से उनका स्वास्थ्य गिरने लगा, एक दिन दु:खी मन से ही महाराजा अग्रसेन नगर की स्थिति देखने के लिए निकल पड़े। घूमते-घूमते वे उधर भी गये जिधर बाहर से आये गरीब वैश्यों का शिविर लगा हुआ था, उनका कष्ट देख महाराजा का हृदय द्रवित हो उठा, वे रो पड़े उसी समय उन्होंने देखा कि एक परिवार के सदस्य भोजन करने बैठे ही थे कि उनके यहाँ पर अतिथि आ गया, घर में और भोजन नहीं था पर अतिथि को भूखा नहीं रखा जा सकता था। समस्या खड़ी हो गई, परन्तु परिवार वालों ने इसका हल सहज ही निकाल लिया, सभी सदस्यों ने अपने-अपने भोजन में से थोड़ा-थोड़ा निकाल कर अतिथि के लिये **शेष पृष्ठ २४ पर...**

महाराजा अग्रसेन की जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनायें

Ram Swaroop Poddar - Mob. 09329257066
Rishi Poddar - Mob. 09200005161

SRM SITARAM SILK MILLS

● A Unit of Sitaram Silk Mills ● Poddar Group

Manufacturer of: Uniform Fabric, Suitings & Shirtings , Also Specialises in Industrial Fabrics

297/8-9, Emagird , Ganpati Naka, Khandwa Road , Burhanpur, Madhya Pradesh, Bharat-450331 Ph. : 07325-245100, 245266.
Email: srm.bpr@gmail.com Mob. +91 9098345100

पृष्ठ २३ से... भोजन की व्यवस्था कर दी। अतिथि की भरपेट सेवा हो गई और परिवार का कोई सदस्य भी भूखा नहीं रहा। महाराज के मस्तिष्क में सहसा बिजली कौंध गई। अंधेरा छँट गया, जगमग प्रकाश से मन द्युतिमान हो उठा, उन्हें अपनी समस्या का हल मिल गया, वे प्रसन्नचित हो अपने महल में लौट आये, दूसरे दिन उन्होंने मन्त्री परिषद तथा नगर के गण्यमान्य महाजनों की बैठक बुलाई, उसमें उन्होंने अपने विचार रखे, उन्होंने प्रस्ताव रखा- ''अग्रोहा के प्रत्येक घर से-बाहर से, आने वाले प्रत्येक परिवार को 'एक रूपया और एक ईंट' का उपहार दिया जाना चाहिए, इससे हमारे नागरिकों पर कोई विशेष भार नहीं पड़ेगा और बाहर से आने वाला परिवार इस सहायता से सम्पन्न हो जाएगा, इस प्रकार हमारे राज्य में बाहर से आने वालों की समस्या हल हो जाएगी। राज्य में अराजकता भी नहीं फैलेगी, असमानता, ऊँच-नीच तथा छोटे-बड़े के विघटनकारी विचार नहीं पनप सकेंगे। भाईचारा बढ़ेगा तथा समाज और देश, सदा एकता के मजबूत सूत्र में बन्धे रहेंगे।

महाराज का प्रस्ताव तथा छोटा सा भाषण, मन्त्री-परिषद व सम्भ्रान्त नागरिकों ने सुना, उन्हें अपने महाराज के विचारों पर गर्व हुआ, समस्या का इतना सरल समाधान पाकर सभी हर्षित हो गये।

महाराज का प्रस्ताव सभी ने सर्व-सम्मति से यथारूप में स्वीकार कर लिया। नागरिकों ने कहा- ''महाराज, वैसे भी हम नित्य ही अपने (गरीब) भाइयों को कुछ न कुछ तो देते ही हैं परन्तु वह उनके लिए ठोस सहायता नहीं होती, इससे उनका मनोबल तो गिरता ही है, उनमें हीन-भावना भी जागृत होती है, आपके प्रस्ताव से हम अपने इन गरीब भाइयों की स्थाई सहायता करने में सफल हो सकेगें, इस ठोस मदद से वे भी अपने पाँवों पर आप खड़े हो सकेगें और हमेशा के लिये वे किसी पर आश्रित नहीं रहगें, उनमें नए आत्मविश्वास की जागृति होगी और वे भी हमारी ही तरह साधन-सम्पन्न होकर नए उद्योग-व्यवसाय में लगेगें तो राज्यकोष में भी वृद्धि करेगें, इस प्रकार हमारा स्वदेश भी समृद्ध तथा सम्पन्न हो जाएगा, महाराज! हम आपके इस अनुपम सुझाव के बड़े आभारी हैं, हम इसी समय से इस सुझाव को कार्य में परिणत करने में जुट जाते हैं'' निर्णय हो गया।

समस्या के सहज समाधान ने सबको प्रसन्न कर दिया, खुशी-खुशी सभी लोग कार्य में जुट गये। राज्य की ओर से उचित आवासीय भूमि की व्यवस्था कर दी गई, नागरिकों ने आये हुए, प्रत्येक परिवार को प्रत्येक घर से 'एक-एक रूपया तथा एक-एक ईंट' इकट्ठे करके दिए गए, सभी विस्थापितों का पुनर्वास हो गया, सभी सम्पन्न हो गये, अपने निजी व्यवसाय में जुट गये और महाराज अग्रसेनजी की प्रशस्ति के गीत गाने लगे, इसके बाद से 'अग्रोहा' में यह परम्परा चल पड़ी, बाहर से आकर बसने वाले किसी भी परिवार को प्रत्येक घर से 'एक रूपया व एक ईंट' का उपहार मिलता तो 'अग्रोहा' में आते ही कंगाल भी अमीर बन जाता और वह उम्र-भर 'अग्रोहा' तथा अग्रसेन जी के गुण गाता था।

विश्व में समाजवाद का पहला पाठ पढ़ाने वाले अग्रसेन महाराजा अग्रवालों के आदिपुरूष माने जाते हैं, उनके नाम से आज भी प्रतिवर्ष आश्विन शुक्ला प्रथमा को श्री अग्रसेन जयन्ती, देश-भर में बड़ी धूम-धाम से मनाई जाती है। महाराजा अग्रसेन जयन्ति पर्व पर 'मेरा राजस्थान' पत्रिका के प्रबुद्ध पाठकों व समस्त अग्र बंधुओं को कोटि-कोटि शुभकामनायें।

।।विजयते श्री बालकृष्ण प्रभु।।

ब्रज विकास ट्रस्ट

ब्रज के सर्वांगिण विकास को समर्पित संस्था

महाराजा अग्रसेन जयंती
के मंगलमय अवसर पर

ब्रज विकास क्षेत्र स्थित
84 मंदिरों के जीर्णोद्धार के
संकल्प की पूर्ति के मौके पर

ब्रज विकास सभी अग्रबंधुओं का
हार्दिक आभार व्यक्त करता है

विश्वनाथ चौधरी
संस्थापक ट्रस्टी

ओंकार चौधरी
संरक्षक ट्रस्टी

अग्रवाल ध्वज-गान

झण्डा लहर-लहर लहराये।
अग्रवंश की कीर्ति सुनाये,
केसरीया रंग बहुत सुहाये।
त्याग-भाव का पाठ पढ़ाये।
सहानुभूति व प्रेम, त्याग को,
हम सब जीवन में अपनायें।
अठारह किरणों का गोला,
गोत्रों की बोली है बोला।
राज व्यवस्था को बतलाकर,
अग्रसेन की याद दिलाये।
एक रुपया संग इट जड़ी है,
इसमें समज बहुत बड़ी है।
समाजवाद की यही कड़ी है,
अग्रोहा की याद दिलाये।
उँच-नीच का भेद मिटाकर,
संमता हम जीवन में लाये।
झण्डा लहर-लहर लहराये।
अग्रवंश की कीर्ति सुनाये ।।

!! Shree Hari !!

अग्र क्रान्ति लाना है सारे विश्व में तुम्हें छा जाना है
महाराजा अग्रसेन की जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनायें

Raghav Didwania
Mob: 99670 04558
Khushi Didwania
Mob: 99872 22473

काज BUTTON

Unit No. C-1, Ground Floor, Synthofine Industrial Estate,
Vishweshwar Nagar, Behind Virwani Indl. Estate,
Goregaon East, Mumbai, Maharashtra, Bharat- 400063

@kaajbuttonstudio

By Appointment Only

Specialise in Men's Kurta and Bandi

अग्रसेन जी के जीवन की शिक्षा हम अपनायें
उनके आदर्शों पर चलकर जीवन सुखी बनाएँ
महाराजा अग्रसेन की जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनायें

Chandraprakash Gopiram Jejani

JEJANI WASTE PAPER SUPPLIERS

WASTE PAPER & OTHER RAW MATERIALS SUPPLIERS

8 Chandak Compound, Ghat Road,
Nagpur, Maharashtra, Bharat-440018
Ph. 0712-2725104 Mob. 09422101280

अग्र क्रान्ति लाना है,
सारे विश्व में तुम्हें छा जाना है
महाराजा अग्रसेन की जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनाएं

Amines & Plasticizers Ltd

D Shivsagar State, Dr. A.B. Road, Worli,
Mumbai, Maharashtra, Bharat -400018
E-mail : info@amines.com

पुरे अग्रवंश को आपने हमेशा इक
पावन सूत्र में है बाँधा
जय हो महाराजा अग्रसेन का जैकारा
अग्रोहा से आपने दूर किया अँधियारा
महाराजा अग्रसेन जयंती पर हार्दिक शुभकामनाएं

Anand Kumar Agarwal
Mob: 9425203488

Bagadiya Brothers Pvt. Ltd.

(O): Bagaria Mension, Jawahar Nagar,
Raipur, Chhattisgarh - 492001
Ph: 0771- 4041999/4030434
Email: bagadiya@bagadiyabros.com

मेरा राजस्थान
राजस्थानियों के विचारों के साथ समस्त समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका

शक्ति की आराधना का पर्व

भारतवर्ष में मनाए जाने वाले त्योहारों में नवरात्रा एक प्रमुख त्योहार है, यह वर्ष में दो बार होता है, पहला नवरात्रा चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष में एकम् से नवमी तक तथा दूसरा नवरात्रा आसोज महीने के शुक्ल पक्ष में एकम (प्रतिपदा) से नवमी तक होते हैं, इन दोनों नवरात्रियों में दुर्गा तथा कन्या की पूजा की जाती है।

पूजन विधि : प्रतिपदा के दिन एक पट्टे पर देवी दुर्गा तथा गणेशजी की स्थापना की जाती है। नौ दिनों तक दीपक चावल रोली इत्यादि से देवी दुर्गा का पूजन होता है, जौ लगाया जाता है। नौ दिनों तक प्रतिदिन आरती की जाती है। दुर्गा का पाठ कर कुंवारी कन्या को भोजन भी कराया जाता है।

अष्टमी के दिन देवी दुर्गा की कड़ाही होती है, जिसमें सीरा पूरी बनाया जाता है, उस दिन नौ कुँवारी कन्याओं को भोजन कराके, उन्हें सामर्थ्यानुसार दक्षिणा व कपड़ा दिया जाता है। अष्टमी तथा नवमी महातिथि मानी जाती है, कई लोग इस दिन रामायण भी पढ़ते हैं तथा हवन भी करते हैं।

कथा: जनश्रुतियों में इस त्यौहार के पीछे यह कथा प्रचलित है कि एक बार देवताओं और राक्षसों में सौ वर्षों तक युद्ध चलता रहा। देवताओं के राजा इंद्र थे और राक्षसों के महिषासुर, इस युद्ध में अंतत: देवता परास्त हो गए, पराजित देवगण भगवान शंकर तथा विष्णु के पास गए और अपनी आपबीती सुनाई, शंकर तथा विष्णु को असुरों पर बड़ा क्रोध आया, वहाँ विभिन्न देवताओं के शरीर से भारी तेज प्रकट हुआ, जिसने एक नारी का रुप धारण कर लिया, देवताओं ने उस नारी की पूजा की तथा उसे अपने आभूषण व अस्त्रादि समर्पित किए, इस देवी के अट्टाहास से पूरी पृथ्वी कांप उठी। महिषासुर अपने सैन्य बल समेत देवी का सामना करने के लिए गया, किन्तु देवी के हाथों मृत्यु का ग्रास बन गया, इस देवी ने शुंभ और निशुंभ नामक दो दैत्यों का भी वध किया।

इस देवी के महान ओजस और पराक्रम से प्रभावित होकर देवतागण भी उसकी स्तुति करने लगे, यही देवी दुर्गा हैं, जिसके पूजन का त्योहार हम-सब मिलकर नवरात्रा के रुप में मनाते हैं।

महाराजा अग्रसेन जयंती पर
हार्दिक शुभकामनायें

Shiv Kumar Tekriwal
Secretary, Karnataka P.M.S.
President-Sri Dadi Dham Prachar Samiti
Mob: 9342504568

PUJA श्री™ HANDLOOM SAREES
Pawan Silks

PAWAN SILKS
EXCLUSIVE SILK / HANDLOOM SAREES, DRESS MATERIALS, DUPATTAS & FABRICS

Off: #24/1, Annadanappa Lane, K.R. Shettypet, Avenue Road Cross, Bengaluru, karnataka, Bharat- 560 002
Ph: 080-4166 4000/4166 4001 Email: pawansilks@gmail. com
shivtekriwal@gmail.com

अग्र क्रान्ति लाना है
सारे विश्व में तुम्हें छा जाना है
महाराजा अग्रसेन की जन्म
जयंती पर हार्दिक शुभकामनायें

गोविन्द मुरारी अग्रवाल
भ्रमणध्वनि: ९८३११९५५०१, ९८३१११२०५१
श्री श्याम मंदिर, आलमबाजार, पश्चिम बंगाल, कोलकाता-७०००३५
भारत को भारत ही बोला जाए एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

अग्र क्रान्ति लाना है सारे विश्व में तुम्हें छा जाना है
महाराजा अग्रसेन की जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनायें

Vinod Poddar
Mob. : 9831021024

PROGRESSIVE METALS PVT. LTD

(FORMERLY PROGRESSIVE STEEL CORPORATION)

FORTUNA TOWER' S

23A, Netaji Subhas Road, 7th Floor, Suite No. 30
Kolkata, West Bengal, Bharat- 700 001
Phone No.: (033) 4005 0005, (033) 40078911

भारत को 'भारत' ही बोला जाए एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

अग्र क्रान्ति लाना है
सारे विश्व में तुम्हें छा जाना है
महाराजा अग्रसेन की
जन्म जयंती पर
हार्दिक शुभकामनायें

Air Parcel Service LLP

Head Office: Office No-01, Laxmi Niketan Building,
1St Floor, 216 - Kalbadevi Road, Near Cotton Exchange,
Mumbai, Maharashtra, Bharat-400002
दूरध्वनि : 022-22400096, 22404337
अणुडाक : airparcelservices100@gmail.com

अग्र क्रान्ति लाना है सारे विश्व में तुम्हें छा जाना है
महाराजा अग्रसेन की जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनायें

Sushil Kumar Kejriwal
Mob.: 98101 63805

SUPRA ENTERPRISE

32/33 Nehru Place, Flat Nos. 401-404,
New Delhi, Bharat-110019
Email: Info@supragroup.in

श्री दादी धाम प्रचार समिति बैंगलोर ने कैंसर से पीड़ित बच्चों को सहायता दी

Access Life Supporting Cancer Bravehearts-Bengaluru Centre में रह रहें बच्चों को श्री दादी धाम प्रचार समिति बेंगलुरु की संस्था की तरफ से बच्चों के लिए टिफिन बॉक्स, स्टील वाटर बोतल, कलर बुक, कलर पेन्सिल बॉक्स खाने का सामान वगैरह दिया गया, साथ ही बच्चों से फूट केक कटवाकर उनका उत्साहवर्धन किया गया, इस मौके पर वेणु गोपाल जादूगर ने अपने कर्तव्य से बच्चों के चेहरे पर खुशी प्रकट की। वेणु गोपालजी फाउंडेशन द्वारा संचालित दिव्य श्री का सम्मान भी संस्था की तरफ से किया गया। कार्यक्रम की संयोजिका रचना डालमिया ने बहुत ही सुन्दर संचालन किया। दादी भक्त, युवा बच्चों, दादी धाम की टीम संदीप टेकरीवाल, नेहा टेकरीवाल, ऋषभ खैतान, राहुल अग्रवाल, ध्रुव अग्रवाल, राघव चौधरी, चयन अग्रवाल, प्रशांत धीरसरीय अनंत केडिया ने कार्यक्रम को सफल बनाया।

इस अवसर पर अध्यक्ष शिवकुमार टेकड़ीवाल,सचिव संजय चौधरी-जया चौधरी, कोषाध्यक्ष प्रकाश चौधरी-सरोज चौधरी,सलाहकार-संजीव खेतान-अंशु खेतान,विनय राय-मीणा राय,राजकुमार अग्रवाल आदि की उपस्थिति ने बच्चों के जल्द स्वास्थ्य की मंगल कामना दादीजी से की गई।

भारत को भारत बोले नही।

अग्रसेन तो ज्योति किरण हैं मानवता की मूरत है
उनकी वाणी अजर अमर है आज की जरूरत है
महाराजा अग्रसेन जयंती पर हार्दिक शुभकामनाएं

Saket Ramgopal Agrawal

भ्रमणध्वनि : 9821210062

301, Adarsh Apartment, Adarsh Dughdalaya Lane
Off Marve Road, Malad West, Mumbai,
Maharashtra, Bharat-400064
Ph: 022-66299141, email: saketagrawal@hotmail.com

भारत को 'भारत' ही बोला जाए
Remove 'INDIA' Name From The Constitution

श्री दाधीच परिषद द्वारा उल्टाडांगा में महर्षि दधीचि जयंती समारोह सम्पन्न

कोलकता: सीए के पेशे में उत्कृष्ट योगदान के लिए सीए परमानंद जी तिवारी को समाज गौरव सम्मान दिया गया।

सीए, एमबीए, बी कॉम, हायर सेकेंडरी और सेकेंडरी परीक्षाओं में उनके मेधावी परिणामों के लिए २१ से अधिक छात्रों को सम्मानित किया गया।

दधीचि जयंती समारोह को सर्वाधिक सफल बनाने के लिए गोपीकिशन दाधीच, आर के व्यास, रमेश शर्मा, सीए अशोक शर्मा, राजेंद्र दायमा, वैद्य लक्ष्मण व्यास, नीता असोपा, रेनू मिश्रा, प्रदीप शर्मा, सुनील दाधीच, आदित्य खटोर, सुभाष सुंटवाल को विशेष धन्यवाद दिया गया मंच संचालन रमेश शर्मा ने किया।

अग्र क्रान्ति लाना है सारे विश्व में तुम्हें छा जाना है
महाराजा अग्रसेन की जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनायें

SUSHIL RUNGTA
Mob: 9840041489

YOGESH RUNGTA
Mob: 7299673156

SWASTIK ENTERPRISE

WE ARE EXPANDING

Stockist in all kind of Ms steel, Ms plate, Ms beam,
Ms round, Ms square, pipe, Tmt, Bindingwire, Hr sheet

Jindal · MTC GROUP · RATUSARIA · SURYADEV RAYS OF PROGRESS · KANISHK STEELS Quality in Every Inch · PMP · MSP · NOBLE STEELS · KAMACHI TMT BARS

No. 47/54, Venkata, Maistry Street, 3rd Floor, Chennai, Tamil Nadu, Bharat- 600001

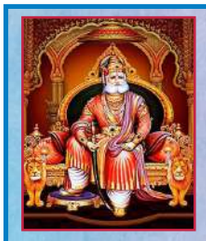

अग्रसेन तो ज्योति किरण हैं मानवता की मूरत है
उनकी वाणी अजर अमर है आज की जरूरत है
महाराजा अग्रसेन जयंती पर
हार्दिक शुभकामनाएं

Hasmukh Patel
भ्रमणध्वनि: 9819957393/ 9833299917

ME ALUMINIUM
ME POWDER COATING

Dealers in : All Kinds of Aluminium Sliding Window Materials Door Section, Sintex Door, Aluminium Sheets, Coils & Grills.

Powder Coating & Colour Anodizing Undertaken in Various Colours.

Krishna Palace CHS, Shop No. 4, 96/98, N. Bharucha Marg, Sleater Road, Nana Chowk, Grant Road West, Mumbai, Maharashtra Bharat -400007. दूरभाष: 022- 23861715

भारत को भारत ही बोला जाए एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

Anmol

Har Pal Anmol

Crafting Taste, Building Trust, and Celebrating Triumph

SINCE 1994

For any trade related query please write to us at info@anmolindustries.com
or call us at 1800 1037 211 | www.anmolindustries.com | Follow us on:

महर्षी दधीची जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया

निजामाबाद दाधीच सेवा समिती द्वारा प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी त्याग मूर्तीमहर्षी दधीची का जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया।

दाधीच सेवा समिती के अध्यक्ष रमेश आसोपा ने मेरो राजस्थान को बताया कि स्थानीय गंज शिवालय में महर्षि दधीची जन्मोत्सव में सर्वप्रथम दधिमती माता जी का मंगल पाठ, भजन कीर्तन व महर्षी दधीची की पुजा अर्चना कर आरती व महाप्रसाद का आयोजन किया गया। कमल किशोर जी दायमा को शंभूगुड़ी के डायरेक्टर बनने पर दाधीच सेवा समिति द्वारा पुष्पमाला व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। शैक्षणिक क्षेत्र में उत्तम अंक प्राप्त करनेवाले चार विद्यार्थीयों का भी स्मृती चिन्ह द्वारा सम्मान किया गया, आयोजित महोत्सव में समाज के महिला पुरूष व युवक युवतियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

अग्र क्रान्ति लाना है
सारे विश्व में तुम्हें छा जाना है
महाराजा अग्रसेन की जन्म
जयंती पर हार्दिक शुभकामनायें

Sushil Kumar Jhajharia
Mob: 9903154150 / 9123059296

PF AVNI®
PREMIUM WEAR
JEANS*COTTON PANTS

AVNI
GARMENTS

3 Bhairab Dutta Lane Behind
Mother Dairy Nandibagan, Salkia,
Howrah,West Bengal,Bharat - 711101
email : sushiljhajharia11@gmail.com

भारत को भारत ही बोला जाए एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

अग्र क्रान्ति लाना है
सारे विश्व में तुम्हें छा जाना है
महाराजा अग्रसेन की जन्म जयंती
पर हार्दिक शुभकामनायें

Abhay Kumar Shroff
Mob. 9431132217

Laxmi Devi Trust

Laxmi Niwas, C.P. Drolia Road
Deoghar, Jharkhand, Bharat - 814112
Email: abhayshroff15@gmail.com

समस्त राजस्थानी समाज की एकमात्र पत्रिका
'मेरा राजस्थान' के सभी पाठकों को विश्वनाथ भरतिया परिवार
की तरफ से हार्दिक शुभकामनाएं!

भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए अब तो इंडिया नहीं

अग्रसेन तो ज्योति किरण हैं मानवता की मूरत है
उनकी वाणी अजर अमर है आज की जरूरत है
महाराजा अग्रसेन जयंती पर

हार्दिक शुभकामनायें

Jugal Kishore Jajodia
Mob:9830028628

ANZEN EXPORTS PVT. LTD.

Dealer Importer, Exporter, Indenting Agents for all Kinds of Active Pharmaceutical Ingredients, Phytochemicals, Herbal Extracts & Essential Oils

(0) : 20C, Hazra Road, 1st Floor, Kolkata,
West Bengal, Bharat - 700026
Ph: 033-24549650/51 Email: jkj@anzen.co.in

अग्र क्रान्ति लाना है, सारे विश्व में तुम्हें छा जाना है
महाराजा अग्रसेन की जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनायें

Ramesh Kumar Bubna
Mob: 9331041207

234/3A, A.J.C. Bose Road, Fortuna Building,
5th Floor, Room No.A-16, Kolkata,
West Bengal, Bharat-700020
Ph: 033-40110334

अग्र क्रान्ति लाना है
सारे विश्व में तुम्हें छा जाना है
महाराजा अग्रसेन की जन्म जयंती
पर हार्दिक शुभकामनायें

ANIL KUMAR GOURISARIA
Mob.: 9415131619

Saloni 125, Navin Market,
Kanpur, Bharat- 208017
E-mail: 17anil09@gmail.com/ salonisarees@gmail.com

भारत को भारत ही बोला जाए एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

गणपति विसर्जन पर परोपकार का निःशुल्क वडापाव वितरण कार्यक्रम संपन्न

मुंबई महानगर की प्रतिष्ठित साहित्यिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्थान परोपकार द्वारा हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी गणेश विसर्जन के पावन पर्व पर गणेश भक्तों की अपार श्रद्धा को ध्यान में रखते हुए मुंबई, भायंदर, थाना तथा भिवंडी में निःशुल्क वडापाव, शुद्धजल का वितरण किया गया। संस्था के केन्द्रीय समिति द्वारा यह कार्यक्रम गिरगांव रोड पर रखा गया। सभी जगह कार्यकर्ताओं में अभूतपूर्व उत्साह था।

संस्था अध्यक्ष रामकिशोर दरक ने मेरा राजस्थान को बताया कि इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से संस्था के ट्रस्टी कैलाश अग्रवाल, आनंद शोरेवाला, विजय लोहिया ,प्रकाशचंद अग्रवाल एवं महिला समिति के महासचिव सुलोचना शोरेवाला तथा कार्यसमिति सदस्य अशोक भराडिया, पवन खेतान सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित थे, उन्होंने कहा कि कार्यक्रम को सफल बनाने में इन लोगों का काफी सहयोग रहा। यह कार्यक्रम सभी जगह पर सायं ४. ३० बजे से रात्रि ११. ०० बजे तक निरंतर चलता रहा। गणपति बाप्पा से संस्था की उज्जवल भविष्य हेतु प्रार्थना करते हुए सभी के लिए मंगलकामनाएँ व्यक्त कि गई।

श्री अग्रसेन स्मृति भवन द्वारा महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह सम्पन्न

श्री अग्रसेन स्मृति भवन की ओर से महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह का आयोजन रविवार को भवन के सभागार में किया गया। मंगलाचरण के साथ समारोह की शुरुआत हुई त प्रधान अतिथि ई एंड वाई के पूर्व निदेशक श्री रामकृष्ण अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का उद्घाटन किया। महाराज अग्रसेनजी की प्रतिमा की आरती-पूजा के पश्चात् भवन के ट्रस्टी और अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश हरलालका ने स्वागत वक्तव्य रखा। ट्रस्टी और मंत्री श्री प्रभुदयाल अग्रवाल ने भवन द्वारा की जा रही विभिन्न सामाजिक गतिविधिओं पर प्रकाश डाला। पद्मश्री प्रह्लाद राय अग्रवाल, श्री विश्वनाथ सेक्सरिया, श्री ब्रह्मानंद अग्रवाल, श्री बजरंगलाल तुल्स्यान, श्री कमला प्रसाद काजरिया सहित गणमान्य लोगों ने भी सभा को संबोधित किया। सभी वक्ताओं ने सामाजिक क्षेत्र में अग्रवालों की भूमिका की भूरि भूरि प्रशंसा कीत भवन द्वारा संचालित अग्रसेन सेवाश्रम की जानकारी दी गयी। सिकुड़ते अग्र वंश पर चिंता व्यक्त की गयी। प्रधान अतिथि श्री रामकृष्ण अग्रवाल ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की समारोह में उच्च शिक्षा प्राप्त तथा क्लास दस एवं बारहवीं बोर्ड परीक्षा २०२५ में अच्छे अंकों से सफल करीब १२० चयनित अग्रवाल छात्र - छात्राओं को स्वर्ण और रजत पदक तथा प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया। समारोह का संचालन श्री सुरेंद्र चमड़ीया और धन्यवाद ज्ञापन श्री राजीव कुमार बिलोटिया ने किया। श्री संदीप गर्ग, श्री श्रीप्रकाश केशान, श्रीमती बीना केशान, श्री दीनदयाल धनानिया, श्री अनिल कुमार चिरिपाल, श्री राजेश अग्रवाल, श्री विनय केडिया, श्रीमती दर्शना गर्ग, श्रीमती संजुला रुईआ, श्रीमती रितु चमरिया, श्रीमती शकुंतला हरलालका, श्री रुनित अग्रवाल सहित अनेकों लोग समारोह में उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में संयुक्त मंत्री श्री ओम प्रकाश रुईआ सहित अन्य सदस्यों श्री देवकी नंदन अग्रवाल, श्री जुगल किशोर पोद्दार, श्री रतन खरकिया, श्री सीताराम जालान, श्री पवन कुमार टेकरीवाल, श्री राधा गोविंद टिबडेवाल, श्री नटवर केडिया, श्री मालीराम अग्रवाल, श्री राज कुमार जाजोदिया आदि की सक्रिय भूमिका रही।

-राजीव कुमार बिलोटिया
कार्यकारिणी समिति सदस्य

आज बागनान के घोड़ाघाटा स्थित महाराजा अग्रसेन धाम परिसर में एक विशाल और बहुआयामी सेवा शिविर का आयोजन किया गया। सुबह ११ बजे से शुरू हुए इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के जरूरतमंद और वंचित वर्ग को स्वास्थ्य सेवाएं, सहायता उपकरण और सम्मान प्रदान करना था।

अष्ट दिवसीय २४वीं भागवत कथा का समापन

हावड़ा : श्रीमद्भागवत प्रचार समिति और लायंस क्लब लायंस रेंज द्वारा श्री बंगेश्वर महादेव मंदिर बांधाघाट हावड़ा में अष्ट दिवसीय २४वीं भागवत कथा रविवार को सम्पूर्ण हुई। भागवत कथा के साथ इस कार्यक्रम में भव्य गंगा आरती, सामुहिक सुंदरकांड पाठ और पारायण भागवत का आयोजन भी किया गया था। कथा विराम के पूर्व व्यास जी ने श्री कृष्ण एंव सुदामा की मित्रता की कथा का वर्णन करते हुए बताए कि अपनी अर्धांगिनी के आग्रह पर सुदामा, द्वारिका श्री कृष्ण से मिलने गए। मुख्य यजमान अनिल जिंदल ने समिति को इस अभूतपूर्व आयोजन के लिए धन्यवाद किया। समिति के आनंद कुमार जैन ने सभी सहयोगियों, कार्यकर्ताओं को सहयोग और सेवा के लिए धन्यवाद किया। समिति के मनोज लोहारीवाला, बिनोद, विजय, संजय, देवेन्द्र ने इस कथा के सफल आयोजन में विशेष योगदान दिया।

अग्रसेन तो ज्योति किरण हैं मानवता की मूरत है
उनकी वाणी अजर अमर है आज की जरूरत है
महाराजा अग्रसेन जयंती पर हार्दिक शुभकामनाएं

with best compliments

Budhia family

Surat, Bhagalpur, Ahmedabad, Siligudi

महर्षि दधीचि तीर्थ मिश्रित में देशभर से पधारे

नैमिषारण्य-इंदौर हमारे पूर्वज महर्षि दधीचि की तपस्थली पर महर्षि दधीचि की कथा सुनाते हुए मैने उसे जीवंत जिया। यह कहना है महर्षि दधीचि कथा का रसपान कराने वाले आचार्य गिरिराज शास्त्री का। महर्षि दधीचि तपस्थली मिश्रित, नैमिषारण्य में दो दिवसीय कथा का आयोजन महर्षि दधीचि सेवा ट्रस्ट ने किया। आयोजक, अध्यक्ष शंकर लाल शर्मा ने बताया कि राष्ट्रसंत परम पूज्य गोविंददेव गिरीजी के मार्गदर्शन में, महंतश्री देवानंद गिरिजी महाराज (दधीचि मंदिर मिश्रित धाम) के सानिध्य में, भारतवर्ष के अनेक प्रांतों से पधारे हुए सैकड़ों दाधीच बंधुओ ने हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हर्षोल्लास के साथ अपने पितृ पुरुष महर्षि दधीचि का जन्मोत्सव भगवान दधीचि मंदिर में मनाया।

त्रि-दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत प्रथम दिवस कलश यात्रा के उपरांत श्रीमान गिरिराजजी शास्त्री दाधीच के मुखारविंद से महर्षि दधीचि कथा का रसास्वादन किया गया। इसके अलावा दधीचेश्वर महादेव का सहस्र धारा अभिषेक हुआ उसके बाद आरती व भजन संध्या का आनंद लिया गया। द्वितीय दिवस भगवान दधीचि नारायण का पंचामृत स्नान, शोडोपचार पूजन हुआ।

दोपहर में बैंड बाजा, डीजे के साथ परंपरागत भव्य शोभायात्रा निकली। यात्रा में भगवान दधीचि का रथ चल रहा था, महंत देवानंद गिरिजी विराजित रहे, मिश्रित के प्रमुख मार्गों से निकली शोभा यात्रा का नगर के प्रबुद्ध, धर्मप्रेमी बंधुओं ने भव्य स्वागत किया। रास्ते में जगह जगह मिठाई, पेय पदार्थ, फल, प्रसाद आदि बांटे गए।

रात्रि कालीन दधीचि भगवान की महाआरती आदि कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। तृतीय दिवस पर पधारे हुए दधीचि बंधुओं ने नैमिषारण्या का भ्रमण किया।

देशभर से पधारे सैकड़ों दधीचि पुत्र

इस वर्ष तीनों दिनों में लगभग ४०० समाज बंधुओं ने दधीचि मंदिर, दधीचि भवन, गुप्ता धर्मशाला में ठहराव किया। सतीश दाधीच ने मेरा राजस्थान को बताया कि प्रति वर्ष यहां की व्यवस्था महर्षि दधीचि सेवा ट्रस्ट द्वारा निःशुल्क की जाती है। आयोजन में इंदौर, हैदराबाद, मुंबई, गोरखपुर, दिल्ली, मोदीनगर, जयपुर, भीलवाड़ा, केकड़ी, चित्तौड़, रायपुर, जोधपुर, राजसमंद, झुंझुनू, सीकर, डीडवाना, लाडनूं, किशनगढ़, ब्यावर, आसींद, अहमदाबाद, अजमेर, नसीराबाद आदि स्थानों से मत्रगण पधारे। इसके साथ ही जयपुर से ३०सदस्यों का दल भी आया, यात्रा के दौरान ट्रेन, बस और भवन में बृजेश दाधीच किशनगढ़ अराई एवं शशि शेखर तिवारी इंदौर ने निरंतर भजनो की शानदार प्रस्तुति का आनंद दिलाया।

सेवा भावी कार्य कर्ता:

जानकारी देते हुए महर्षि दधीचि सेवा ट्रस्ट के मनोज दाधीच न मेरा राजस्थान को बताया कि साथी प्रदीप बरमोटा, सांवरमल जोशी, राजेंद्र रतावा ओम प्रकाश ब्यावर, राधेश्याम जी गुलाबपुरा, श्रीमती माया राजेंद्र दाधीच लाडनूं आदि के सहयोग ने आयोजन में चार चांद लगा दिए। नाश्ता - भोजन व्यवस्थाएं ओमप्रकाश बहड़, पूजन व्यवस्थाएं श्रीमती संतोष शर्मा, चंदा राजेंद्र दाधीच, सुषमा दाधीच ने संभाली। आवास व्यवस्था मुकेश शर्मा,शोभायात्रा व्यवस्था राजेंद्र दाधीच तथा अमित दाधीच (सीतापुर) ने संभाली।

अनजाना नहीं रहा स्थान

महर्षि दधीचि सेवा ट्रस्ट के मनोज दाधीच ने जानकारी देते हुए यह भी बताया कि अब यह स्थान दाधीच बंधुओं से अनजाना नहीं है, पहली बार १३ सितंबर २०१३ को यहां पर महर्षि दधीचि जन्मोत्सव मनाया गया, इस अवसर पर तत्कालीन महंत पूज्य देवदत्त गिरिजी महाराज ने कहा कि पहली बार दधीचि बंधु यहां जन्मोत्सव मनाने पधारे हैं। दूसरे वर्ष २०१४ के आयोजन में पधारे परम पूज्य राष्ट्रसंत गोविंद देव गिरीजी महाराज ने इस स्थान के संपूर्ण विकास का आह्वान किया, और शंकर लाल शर्मा को इस कार्य के लिए विस्तृत योजना बनाकर आगे बढ़ने का निर्देश दिया, फलस्वरुप सितंबर २०१८ में परम पूज्य राष्ट्रसंत गोविंददेव गिरीजी महाराज के मुखारविंद से १०८ श्रीमद् भागवत कथा के भव्य आयोजन से उत्साह बढ़ा। महर्षि दधीचि सेवा ट्रस्ट ने समाज बंधुओं के लिए यहां पर एक भवन की व्यवस्था भी कर दी है। अब प्रतिवर्ष यहां सैकड़ों दाधीच बंधुओं का आवागमन होने लगा है।

-मनोज दाधीच
महर्षि दधीचि सेवा ट्रस्ट, इंदौर

मुसी नदी बाढ़ १९०८ एक ऐतिहासिक घटना

श्री झूमरलालजी
बोरायडा तिवारी

२८ सितंबर, १९०८ की महान मूसी बाढ़। भाग्यनगर मे मुसी नदी मे भारी बाढ़ का दिन था। मुसी नदी का जलस्तर ६० फ़ीट तक पहुँच चूका था, बाढ़ मे लगभग १५००० लोगों की मृत्यु हुई और लगभग ८०००० लोग बेघर हो गये कई लोगों ने वहां एक इमली के पेड़ का सहारा लेकर प्राणो की रक्षा की। दरबारी ज्योतिषी झूमरलाल जी तिवारी ने हैदराबाद के निज़ाम सर महबूब अली खान को नदी देवी को प्रसन्न करने की सलाह दी, जिसके परिणामस्वरूप निज़ाम ने धार्मिक प्रसाद और प्रतीकात्मक कार्य किए। तिवारी की सलाह पर निजाम ने फल, फूल, नारियल और रेशमी साड़ी व मोतियों सहित अन्य वस्तुओं से, धोती और जनेऊ पहनकर, उफनती मूसी नदी को शांत करने के प्रयास में पूजा की। यह घटना शहर के इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण था, और इस विनाशकारी बाढ़ के कारण उस्मान सागर और हिमायत सागर सहित बाढ़ नियंत्रण जलाशयों का निर्माण हुआ।

मुख्य विवरण: श्री झूमरलाल तिवारी की भूमिकाः निज़ाम के दरबारी ज्योतिषी के रूप में तिवारीजी ने बाढ़ को 'देवी' का कृत्य बताया तथा धार्मिक अनुष्ठानों के माध्यम से इसे शांत करने का सुझाव दिया।

निज़ाम का जवाब: छठे निजाम सर महबूब अली खान ने इस सलाह को गंभीरता से लिया और पारंपरिक हिंदू पूजा की।

प्रसाद: निज़ाम ने नदी को फल, फूल, नारियल, रेशमी साड़ी, मोती और सोना अर्पित किया, जो 'क्रोधित' नदी की शांति का प्रतीक था।

सांस्कृतिक संदर्भ: हिंदू परंपरा में नदियों को अक्सर देवी के रूप में माना जाता है, और प्राकृतिक आपदा के समय उन्हें शांत करने के लिए अनुष्ठान किए जाते हैं।

परिणाम: यह बाढ़ एक बड़ी आपदा थी, जिसमें हजारों लोग मारे गए और व्यापक विनाश हुआ। यह हैदराबाद के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुई, जिसके कारण शहर की सुरक्षा के लिए उस्मान सागर और हिमायत सागर जैसी बड़ी बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं और जलाशयों का विकास हुआ। निजाम के तत्कालीन प्रधान मंत्री श्री किशनप्रसादजी ने स्वयं आकर श्री झूमरलालजी तिवारी को सम्मान देकर कृतज्ञता व्यक्त की।

धरोहर: इस ऐतिहासिक घटना को याद करते **मूलत:** कुचेरा, राजस्थान से भाग्यनगर (हैदराबाद) आये श्री झूमरलालजी तिवारी के वंशज इस धरोहर को संजोये हुए है।

- CA भगवानदास रामलाल तिवारी परिवार

अग्र क्रान्ति लाना है सारे विश्व में तुम्हें छा जाना है
महाराजा अग्रसेन की
जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनायें

President
DINESH KUMAR SEKSARIA

Vice President
SHRI BHARAT JALAN

Vice President
SHRI BRIJ MOHAN GARODIA

SVS Marwadi Hospital

118, Amherst Street, Kolkata, West Bangal, Bharat- 700009

Mob. 9831010587

भारत को केवल BHARAT ही बोला जाए INDIA नहीं

राजस्थान का धार्मिक गाँव मोलेला

महाराणा प्रताप चौराहा बस स्टैंड

राजस्थान राज्य के राजसमन्द जिले में मेवाड़ क्षेत्र का मोलेला एक प्रमुख गाँव है, यह गाँव भारत विख्यात श्रीनाथजी की पावन नगरी नाथद्वारा से १० किलोमीटर पश्चिम में बसा 'मगरा' प्रान्त का सिमान्त प्रहरी है, इस गाँव के दक्षिण में पाँच किलोमीटर पर हल्दी-घाटी नामक विश्व प्रसिद्ध रणस्थल है, जहाँ महाराणा प्रताप के मुट्ठी भर सैनिकों ने हजारों मुगल सैनिकों को छठी का दूध याद दिला दिया था। 'हल्दीघाटी' की मिट्टी को आज भी नमन है। चेतक का बलिदान पशु जगत के इतिहास का एक दमकता अध्याय है, जो राणा प्रताप की गौरव गाथा के साथ सदा चमकता-महकता रहेगा।

हल्दीघाटी युद्ध के समय 'मोलेला', जो युद्ध स्थल से पाँच किलोमीटर दूर स्थित गाँव है, इसके मैदानों में मुगलों की सेना का पड़ाव रहा, उस समय 'मोलेला' गाँव अस्तित्व में नहीं था, तत्कालीन बनास नदी के किनारे की पहाड़ी पर 'जयगढ़' नामक बस्ती थी, 'जयगढ़' पर उस समय कछुआ राजवंश का राज्य था, हल्दीघाटी के युद्ध में वहाँ के शासक ने वीरगति पाथी, उसके बाद जयगढ़ वाली बस्ती, नदी के १ किलोमीटर उत्तरदिशा में खुले मैदानी स्थानों में बसना शुरू किया, कहते हैं कि 'मोल्या' का परिवार सबसे पहले यहाँ बसा, अतः उस गाँव का नाम 'मोल्यावाला' कहा जाने लगा, 'मोल्यावाला' नाम ही आज 'मोलेला' के रूप में विख्यात है।

'मोलेला' की प्राचीनता के विषय में महात्मा (गुरांसा) की पोथी में जो उल्लेख मिला है, उसके अनुसार वि. सं. १६९७ में 'मोलेला' का बसना सिद्ध होता है, उस आलेख से ही यह ज्ञात होता है कि 'मोलेला' की व्यवस्थित बसावट ३५० वर्ष पुरानी है,उस समय भी 'मोलेला' बसावट व्यवस्थित रूप से की गई थी,सभी

खेड़ा देवी माताजी मूर्ति

जातियों को अलग-अलग नियत स्थान पर स्थापित किया गया था, जैसे जैन समाज एक ही जगह बसा हुआ है, इस बस्ती में अन्य किसी भी जाति का दखल नहीं है, कहने का तात्पर्य यह है कि मोलेला गाँव मे ओसवाल, ब्राह्मण सभी जातियों के कुल मिलाकर लगभग एक हजार परिवार निवासित हैं।

क्षेत्रफल: 'मोलेला' का क्षेत्रफल १२९३ हेक्टयर का है, धार्मिक दृष्टि से यहाँ जैन और वैष्णव ही मुख्यतया निवास करते हैं, सभी की अपने धर्मो के प्रति आस्था है। साम्प्रदायिक सौहार्द भी यहां पर सदा से अच्छा रहा है, यहाँ जैन मन्दिर और चारभुजा मन्दिर पास-पास है, यहाँ के स्थानकवासी १६० व तेरापंथी के १५ परिवार हैं, सभी में सामंजस्य उत्तम है।

जैन मंदिर तीर्थंकर आदिनाथ

जैन समाज के धार्मिक, सामाजिक संस्थान के रूप में दो धर्म स्थानक, अतिथिशाला, भोजनशाला (पंचायती मोहरा) जैन मन्दिर बाबा आदिवाल जी का है। दोनों धार्मिक स्थानक भवन, महावीर भवन नं.१, महावीर भवन नं. २, महावीर भवन नं. १ आठ हजार एक सौ वर्ग फीट प्लॉट पर बना एक भव्य भवन है, जो आगंतुकों को बरबस आकर्षित करता है, सभी सुविधाओं से सम्पन है, महावीर भवन के दक्षिण की और ५० फीट पर भोजनशाला है, उससे २० फीट की दूरी पर महावीर भवन नं. २ बना हुआ है, 'मोलेला' का जैन समाज भूतपूर्व मेवाड़ सम्प्रदाय के प्रति समर्पित रहा है, इसी परम्परा के गरु-भगवंतों ने अनेक बार पदार्पण कर गाँव को पावन किया है।

चारभुजा नाथ मंदिर (ठाकुरजी)

'मोलेला' कला की दृष्टि से विश्व प्रसिद्ध क्षेत्र है, यहाँ की मिट्टी से निर्मित मूर्ति कला के क्षेत्र में एक विशिष्ट स्थान रखती है, यहाँ के कलाकार को राष्ट्रपति ने सम्मानित भी किया गया है। यहाँ के कुम्भहार (प्रजापत) द्वारा देवी-देवताओं की बनाई हुई मिट्टी की मूर्तियों को विविध मन्दिरों में स्थापित किया जाता है, 'मोलेला' कुछ वर्षों पहले पिछड़ा हुआ **शेष पृष्ठ ३७ पर...**

पृष्ठ ३६ से... गांव था, किन्तु आज यह सभी आधुनिक सुविधाओं से सम्पन्न है, इसका श्रेय सरकार के साथ-साथ जैन समाज को भी जाता है। सेकेण्ड्री स्कूल, कन्या विद्यालय, चिकित्सालय, पंचायत भवन एवं महावीर प्रतिक्षालय बस स्टॅण्ड आदि सभी सुविधाए यहाँ उपलब्ध हैं, सारे सार्वजनिक संस्थान नागरिकों

ताकाजी बावजी प्रवेश द्वार

के सहयोग से बने हैं। गाँव 'मोलेला' नाथद्वारा एवं उदयपुर से डामरी सड़क से जुड़ा है, सभी तरफ से बसों की सुविधाएं उपलब्ध हैं।

यहाँ के सभी देवालय, जैसे पूर्व में ताकाजी बावजी का मन्दिर अपने भक्तों द्वारा नवनिर्मित किया गया है। गांव के दक्षिण में बनास नदी के पास खेडा देवी माताजी का मन्दिर 'मगरी' की अपनी अलग ही पहचान है। गाँव में दो बड़े चौराहे हैं, एक जैन मन्दिर और महावीर भवन के बीच में है, दूसरा हनुमानजी मन्दिर के पास है, जहाँ 'गवरी' के नृत्य होते है, यह नाइयों का मोहल्ला, मालीयों का मोहल्ला एवं राजपूत मोहल्ले के साथ जुड़ा है।

कन्या विद्यालय

जैन स्थानक

सरकारी अस्पताल ५० बेड वाला

'मोलेला' से १५ कि. मी. दूर करधर बावजी का प्राचीन मन्दिर बना हुआ है, जिसमें यहाँ के रहवासी गहरी आस्था रखते हैं, गाँव के दक्षिण में सती माता जी का मन्दिर है। गाँव के पश्चिम दिशा में मुख्य सड़क के एक किलोमीटर की दूरी पर खेडी बावजी (भेरूजी) का प्राचीन मन्दिर है, यहाँ के मानजी स्वामी म.सा. का चमत्कार जग जाहीर है, जहाँ हर कदम कला का जन्म होता है।

'मोलेला गाँव' के इतिहास प्रकाशन
पर हार्दिक शुभकामनाएं

Sohanlal Bohara
+91-9820137440

Karan Bohara
+91-9820639519

KARAN METALS

21, Mapla Mahal, First Floor, 273, J.S.S.Road,
Thakurdwar, Girgaon, Mumbai-400004.
E : karanmetals@hotmail.com
W : karanmetals.com

अपनी पारंपरिक टेराकोटा कला के
लिए प्रसिद्ध मोलेला के
इतिहास प्रकाशन पर

हार्दिक शुभकामनाएं

मातोश्री कृष्णा बाई भवंरलालजी कोठारी
Babulal Kothari
Geeta Kothari
Pratik Kothari Ronak Kothari

Mayur Jewellers & Steel Centre

2nd Maruti Lane, 170/178, Bora Bazar Street, Doshi Bhavan,
Fort, Mumbai, Maharastra, Bharat- 400001 I Mob.: 9322324034

बनास नदी

बस स्टेंड के पास विश्राम गृह

'भारत' एक महोत्सव प्रधान देश है।
जिसकी फिजाएं पराक्रम के गीत गाती है ।।
जहाँ वीरों की आहुति भी मुस्कुराती है।
उस वीर धरा मेवाड़ के लिए ये जिव्हा क्या कह पाती है।
यह पावन भूमि जो वीरों के रज से सींची गयी।
जिसे महाराणा प्रताप सा शासक मिला।
उस भूमि की गौरव गाथा तो अनोखी ही है।

'मोलेला गाँव' के इतिहास प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनाएं

PRAKASH CHANDRA JAIN
PRAKASH
CATERERS

Mob : 98195 53793 / 98212 77560
2, Meena Niwas, J.P.Road, Opp.Rly.Station, Ghatkopar West,
Mumbai, Maharashtra, Bharat - 400086.

मोलेला में टेराकोटा

हस्तकला पर जब मेहनत का रंग चढ़ा तो वह गांव की मिट्टी से निकलकर विदेशी धरा तक पहुंच गई, बात हो रही राजस्थान के राजसमंद जिले के 'मोलेला' से निकली टेराकोटा (मिट्टी) कला की, इस कला से जुड़ा 'मोलेला' का एक परिवार १८ पीढियों से मिट्टी को जीवन के रंगों से सजा रहा है, इस कला के सांचे में ढाली गई कृतियों में अतीत के भव्य दर्शन भी होते हैं। घरों में साज-सज्जा की सामग्री से लेकर दीवार की टाइलों तक में कला कृतियां, मोलेला टेराकोटा आर्ट के नाम से विख्यात, न सिर्फ देश में बल्कि विदेशों तक में खास पहचान बना चुकी है, इस कला के दीवाने भी खूब हैं, इस कला से बनी कृतियों को लेकर 'मोलेला' के कारीगर परिवार से आए प्रशांत कुमार १८वीं पीढ़ी के सदस्य हैं, इस कला को सींचते हुए कितने साल हो चुके यह तो जानकारी नहीं, पर परिवार में उनके दादा, पिता और अन्य सदस्य पांच नेशनल अवार्ड पा चुके हैं, इनसे पहले की पीढियां भी इसी कला से जुड़ी रही हैं। दादा मोहन लाल को इस कला के लिए पदमश्री मिला हुआ है, प्रशांत के पिता जमनालाल जी को देव संग्रह नाम से बनाई गई मिट्टी की एक कृति के लिए नेशनल अवार्ड मिला। छह फीट की इस कृति को विशेष रूप से बनाया गया था, इस परिवार में दिनेश चंद्र, राजेंद्र, लक्ष्मी लाल को भी इस कला में नेशनल अवार्ड मिल चुका है, जमना लाल को तो नेशनल के साथ ही अंतरराष्ट्रीय अवार्ड भी मिला हुआ है। हर ऐतिहासिक स्थल पर दिखते हैं इस कला के रंग :

राजस्थान के इस परिवार ने 'टेराकोटा' कला को जिस तरह से शिखर पर पहुंचाया है, उसकी चमक हर कहीं दिखती है। ऐतिहासिक स्थलों पर इस कला से बनी चीजें खूब मिल जाती हैं। राजस्थान के उदयपुर का रेलवे स्टेशन इसी कला से खास बना हुआ है, इसी परिवार ने उस स्टेशन को कलां के रंगों से सजाया है, पूरे स्टेशन पर इस कला से बनी कृतियां ग्रामीण जीवन से लेकर देवी-देवताओं के दर्शन भी कराती है। मिट्टी से बने पोट और साज-सज्जा की तमाम चीजें इस कला को खास बना रही हैं, देश के अलावा जर्मनी, फ्रांस, जापान, अमेरिका, इजराइल में भी यह कला खास पहचान बना रही है, विदशो में भी इस कला की कृतियां खूब निर्यात होती हैं।

LeMerite
Une Marque Riche en Qualité

LE MERITE EXPORTS LIMITED

MANUFACTURER & EXPORTER OF YARN & FABRIC

Mr. UMASHANKAR LATH
CHAIRMAN

Mr. ABHISHEK LATH
M.D. & CFO

About Us

Le Merite Exports Ltd is a leading Yarn & Greige fabric manufacturing company that is trusted all over the world for its quality products

Yarns

- Open End- Ne 6/1- Ne24/1
- Carded/ Carded Compact-Ne 8/1 to Ne 40/1
- Combed / Combed Compact-Ne 10/1 to Ne 80/1
- TFO(Double Yarn)-NE 10/2 to Ne 80/2

Greige/Finish Fabrics

- Poplin, Twill, Satin, Voil,
- Percal, Satin Stripes, RFD fabrics for Bed-linen
- Duck, Canvas, Half Panama fabric for Industrial applications & Bag / Shoes manufacturing.

Reach us here:

Office Address
A-307 'Boomerang', Chandivali Farm Rd, Andheri (E), Mumbai - 400072, India.

Bhiwandi Address
Shree Arihant Complex, C-10,114-116, Kolher, Bhiwandi, Thane-421302

Factory Address
- Jawahar S.S.G LTD.,DIST.Amaravati,Maharashtra.
- Shri Sainath Textiles Butibori,Nagpur,Maharashtra.

Yarn
abhishek@lemeriteexports.com
yarn@lemeriteexports.com

Fabric
fab.exp@lemeriteexports.com

For more details
sales@lemeriteexports.com

GOVERNMENT RECOGNIZED 3-STAR EXPORT HOUSE

अग्र क्रान्ति लाना है
सारे विश्व में तुम्हें छा जाना है
महाराजा अग्रसेन की जन्म जयंती
पर हार्दिक शुभकामनायें

Murarilal Agrawal

M A EXPORTS **M.A. EXPORTS**

EXPORTERS-IMPORTERS-TRADERS COMMISSION AGENTS

Mumbai: 303, Saraf Mansion, 9/11, Old Hanuman Lane, Mumbai,Maharashtra Bharat-400002
दूरध्वनि : 022- 2205 0085 / 4970 1579 भ्रमणध्वनि : 98200 76068. अणुडाक : exportsma@gmail.com
Kolkata: 137, Netaji Subhash Road, 5th Floor, Kolkata, West Bangal, Bharat-700001.
दूरध्वनि : 033- 2268 2881 भ्रमणध्वनि : 93397 32832/ 7980147683

M R AGENCIES **M.R. AGENCIES**

AGARWAL TEXTILE AGENCY

EXPORTERS-IMPORTERS-TRADERS COMMISSION AGENTS

Mumbai: 303, Saraf Mansion, 9/11, Old Hanuman Lane, Mumbai,Maharashtra Bharat-400002 दूरध्वनि : 022- 2205 0085 / 4970 1579 भ्रमणध्वनि : 98200 76068 अणुडाक : exportsma@gmail.com
Kolkata: 137, Netaji Subhash Road, 5th Floor, Kolkata, West Bangal, Bharat-700001.
दूरध्वनि : 033- 2268 2881 भ्रमणध्वनि : 93397 32832/ 7980147683

With Best Compliments from

OM PRAKASH KRISHNA BHATTAD
SHLOK BHATTAD

CA

OM PRAKASH & CO.
Chartered Accountants

11 Periya Naicken Street, Galada Plaza,
Second Floor, Chennai - 600 001.

Email : bhattad.ca@gmail.com

Phone : 044-4353 4817
Mobile : 98400 92429

धूमधाम से मनाई गई महाराजा अग्रसेन जयंती

मुंबई: अग्रवाल समाज के महाराजा अग्रसेन जी की जयंती का भव्य उत्सव मुंबई में बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया,इस अवसर पर अग्रवाल सेवा समाज,अग्रायण परिवार,अग्रोहा विकास समिति-१ तथा सहयोगी संस्थाओं द्वारा कार्यक्रम आयोजित किए गए, आयोजन चेयरमैन सुरेश चंद अग्रवाल एवं अध्यक्ष शीतल अग्रवाल के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के संयोजक कान बिहारी अग्रवाल, श्री बी.के.अग्रवाल एवं पदम चंद गुप्ता थे।

गौरतलब हो कि २२ सितम्बर को दक्षिण मुंबई में भव्य शोभायात्रा निकाली गई, यह यात्रा अग्रसेन भवन, ठाकुरद्वार से प्रारंभ होकर भाटिया महाजन वाड़ी, कालबादेवी तक गई, इस अवसर पर महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नरवेकर, पूर्व मंत्री राज पुरोहित तथा पूर्व नगरसेवक जनक संघवी एवं आकाश पुरोहित विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

सैकड़ों समाजबंधुओं ने इस यात्रा में भाग लिया। यात्रा में भजन-कीर्तन, वाद्ययंत्रों की मधुर ध्वनियाँ और सजे-धजे रथ के साथ महाराजा अग्रसेन की आरती की गई। फूलों की वर्षा इतनी अद्भुत थी कि पूरा मार्ग पुष्पों से ढक गया और वातावरण पूर्णतः दिव्य एवं उत्सवमय हो उठा। विभिन्न स्थानों पर यात्रा का स्वागत मिष्ठान एवं शीतल पेयों से किया गया। विशेष रूप से एक फल-रथ से राहगीरों को फल-प्रसाद वितरित किया गया। शोभायात्रा का समापन भाटिया हॉल में अल्पाहार के साथ हुआ।

सांस्कृतिक संध्या का आयोजन

२६ सितम्बर को नेहरू सेंटर सभागार, मुंबई में भव्य सांस्कृतिक संध्या 'जीना इसी का नाम है' का आयोजन किया गया, कार्यक्रम की प्रस्तुति प्रसिद्ध कलाकार सुनित एवं त्रिप्ती शाह (तिरुपति इवेंट्स) ने दी, इस अवसर पर लगभग ७५० गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे, जिनमें उद्योगपति, व्यवसायी एवं विभिन्न क्षेत्रों के अग्रणी लोग शामिल थे। कार्यक्रम में भक्ति संगीत, प्रेरणादायक उद्बोधन एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं साथ ही समाज सेवा में विशेष योगदान देने वाले गणमान्यजनों का सम्मान भी किया गया।

दोनों ही कार्यक्रमों ने महाराजा अग्रसेन की एकता, समानता, दानशीलता एवं समाज सेवा के संदेश को जीवंत कर दिया।

अध्यक्ष शीतल अग्रवाल ने सभी दानदाताओं, स्वयंसेवकों, विशिष्ट अतिथियों एवं समाजबंधुओं का हृदय से आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से अग्रसेन जयंती महोत्सव भव्य रूप से सम्पन्न हुआ।

-अग्रवाल सेवा समाज, मुंबई

अग्र क्रान्ति लाना है
सारे विश्व में तुम्हें छा जाना है महाराजा अग्रसेन
की जन्म जयंती पर हार्दिक शुभकामनायें

HEMANT KAILASH PARASRAMPURIA
Mob: 9820165676

1401, Tower A, Oberai Esquire,
Oberai Garden City, off W E H, Goregaon East,
Mumbai, Maharashtra, Bharat 400063

अग्रसेन के वंशज हैं हम आगे ही बढ़ते जायेंगे
अग्रसेन की सेवा में हम सब मिलकर हाथ बटायेंगे
महाराजा अग्रसेन जयंती पर
हार्दिक शुभकामनायें

SAANWARIA POLYESTER PVT. LTD.

210, Mittal Indl. Estate, Sanjay Bldg.
No. 7, 2nd Floor, Andheri Kurla Road, Andheri East,
Mumbai, Maharashtra, Bharat-400059
दूरध्वनि: 022-40699999 Fax : 022-40699900
अणुडाक: saanwaria@yahoo.com

अग्र क्रान्ति लाना है
सारे विश्व में तुम्हें छा जाना है
महाराजा अग्रसेन की जन्म जयंती पर
हार्दिक शुभकामनायें

केशर चन्द पाडिया
Mob: 098300 31596

ईस्टर्न पोलीक्राफ्ट
इन्डस्ट्रीज लिमिटेड

1/1 ए, भेनसीट्राट रो, प्रथम तल्ला, कोलकाता, प.बंगाल, भारत - 700001
Ph: 033-2248-7191 | Fax: 4410 033-22483691
Email: padiakc@cal.vsnl.net.in
निवास : "लेक टावर्स" 87, साऊर्थन एवेन्यू, कोलकाता, भारत-700026

अग्रसेन जी के जीवन की शिक्षा हम अपनाएं
उनके आदर्शों पर चलकर जीवन सुखी बनाएँ
महाराजा अग्रसेन जयंती पर
हार्दिक शुभकामनाएं

GOYAL TRADERS INDIA PVT. LTD

PANKAJ GOYAL
Mob : 9892185512

78/78 Mirza Street, Ronak House, 1st Floor,
Zaveri Bazar, Mumbai, Maharashtra, Bharat-400002

भारत को 'BHARAT' ही बोलेंगे

जय भारत! जय-जय राजस्थान

Remove INDIA Name From The Constitution

विनोद पोद्दार
उद्योगपति व समाजसेवी
रतनगढ़ निवासी-कोलकाता प्रवासी
भ्रमणध्वनि: 9831021024

विनोद जी 'अग्रसेन जयंती' की शुभकामनाएं देते हुए कहते हैं कि महाराजा अग्रसेन जी हमारे लिए भगवान स्वरूप है, संपूर्ण अग्र परिवार उनके ही वंशज हैं, उनके बताए हुए समाजवादी सिद्धांत 'एक ईंट-एक रुपैया' को अपने जीवन में आत्मसात किए हैं, समाज क्षेत्र हो या धार्मिक क्षेत्र अपनी भूमिका निभाने में हमेशा सक्रिय रहते हैं, इसीलिए आज विश्वस्तर पर अग्रवाल समाज ने अपनी विशेष पहचान बनाई हुई है और यह सब महाराजा अग्रसेन जी की कृपा दृष्टि से संभव हुआ है, पर आज अग्रवाल समाज महाराजा अग्रसेन जी के सिद्धांतों को कहीं ना कहीं भूल रहा है और अपने तक ही सीमित है, समाज के प्रति निष्ठा की कमी आ रही है।

आज का युवा वर्ग अपने धर्म समाज से कम ही जुड़ते हैं, क्योंकि युवाओं को बचपन से वह संस्कार नहीं मिलते, जिससे युवाओं में अपने धर्म के प्रति रुझान उत्पन्न हो, वह आधुनिक जीवन शैली में जी रहे हैं, पश्चात सभ्यता को अपनाए हुए हैं।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का नाम सिर्फ 'भारत' ही रहाना चाहिए। 'मैं भारत हूं फाउंडेशन' के संस्थापक बिजय कुमार जैन द्वारा चलाया जा रहा यह अभियान बहुत ही सराहनीय है, हमें हर भाषा में 'भारत' ही बोलना चाहिए और युवाओं में इसके प्रति जागृति निर्माण हो इसका भी प्रचार-प्रसार होना चाहिए।

विनोद जी मूलतः राजस्थान स्थित 'रतनगढ़' के निवासी हैं, आपका जन्म और संपूर्ण शिक्षा आंध्रप्रदेश 'गुंटूर' में संपन्न हुई है, पिछले ५० सालों से हम कोलकाता में बसे हैं और आयरन स्टील के कारोबार से जुड़े हैं, साथ ही कई सामाजिक संस्थाओं में कार्यरत हैं, अग्रवाल सभा कोलकाता के कार्यकारिणी सदस्य हैं, श्याम मंदिर आलम बाजार से भी जुड़े हैं। जय भारत!

-मेरा राजस्थान

प्रकाशचंद्र नंदलाल इंटोदिया जैन
व्यवसायी व समाजसेवी
मोलेला निवासी-मुंबई प्रवासी
भ्रमणध्वनि: 9821277560

प्रकाश जी अपनी जन्मभूमि 'मोलेला' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि पहले और आज के 'मोलेला' में काफी अंतर हो गया है, पहले यह एक छोटा सा गांव था, आज विकसित कस्बा बन चुका है और हर तरह की सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हैं, यहां उच्च माध्यमिक तक के विद्यालय हैं, सड़क परिवहन बहुत ही अच्छा है, रेलवे के लिए यहां से ३० किलोमीटर दूर 'मावली' जंक्शन जाना होता है, जहां से पूरे 'भारत' के लिए ट्रेन की सुविधा उपलब्ध है। पूरे विश्व में 'मोलेला' अपने टेराकोटा वर्क के लिए जाना जाता है, यहां की मिट्टी की अपनी खास बात है, जो अन्यत्र कहीं नहीं पाई जाती और यह 'मोलेला' के लिए वरदान है, यह कार्य पीढ़ियों से चला आ रहा है, यहां के कुम्हारों द्वारा बने मिट्टी के बर्तन, देवी-देवताओं की मूर्तियां व अन्य कलाकृतियों की मांग विदेशों तक है, इसके अलावा यहां के निवासी अन्य व्यवसाय से जुड़े हैं, कृषि भी है, पर वह सीमित मात्रा में है, यहां का सामाजिक वातावरण भी उत्तम है, हर धर्म समाज के लोग बसे हैं, लोगों के बीच आपसी सौहार्द अच्छा है, यहां के देवी-देवता में सबसे प्रमुख खेड़ा देवी माता जी का मंदिर और ताकाजी बावजी का मंदिर,जो लोगों की श्रद्धा का मुख्य केंद्र है, इसके अलावा अन्य देवी-देवताओं के भी मंदिर हैं, यहां जैन समाज में मात्र श्वेताम्बर पंथ के हैं, जैन समाज द्वारा आदिनाथ तीर्थंकर का मंदिर है, चारभुजा नाथ जी का मंदिर है व स्थानक भी बना हुआ है प्राकृतिक रूप से यह क्षेत्र बहुत ही सुंदर है और भी कई विशेषताएं हैं हमारे 'मोलेला' में...

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि हमारे देश को आज कई नाम से जाना जाता है, पर हमारे देश का वास्तविक नाम तो 'भारत' था और 'भारत' ही रहना चाहिए।

प्रकाश चंद्र जी का जन्म 'मोलेला' में और पूर्ण शिक्षा 'मुंबई' में संपन्न हुई है, यहां पूर्व में आभूषणों के कारोबार से जुड़े रहे, वर्तमान में कैटरर्स के व्यवसाय से जुड़े हैं, साथ ही सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रहते हैं। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के सदस्य हैं, अन्य कई संस्थानों से भी जुड़े हैं। जय भारत!

-मेरा राजस्थान

भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाना चाहिए

- बिजय कुमार जैन, वरिष्ठ पत्रकार व सम्पादक

बाबूलाल कोठारी
व्यवसायी व समाजसेवी मोलेला
निवासी-मुंबई प्रवासी
भ्रमणध्वनि: 9322324034

बाबूलाल जी अपनी जन्मभूमि व कर्मभूमि 'मोलेला' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि 'मोलेला' महाराणा प्रताप की कर्मभूमि का हिस्सा है, यहां से 'हल्दीघाटी' मात्र तीन किलोमीटर की दूरी पर स्थित है और यह 'राजसमंद' जिले का प्रमुख गांव है। मूर्ति कला की कारीगरी के कारण इस क्षेत्र का नाम 'मोलेला' पड़ा है। यहां का 'टेराकोटा' वर्क पूरे विश्व में प्रसिद्ध है, यहां की निर्मित वस्तुएं विश्व में भेजी जाती हैं, इस गांव का इतिहास ४०० साल पुराना है और यहां लगभग ४०० साल पुराना ही जैन मंदिर तीर्थंकर आदिनाथ जी का है, जो गांव के मध्य में स्थित है, वहीं पर बगल में चारभुजा नाथ जी और शिवजी का भी मंदिर है, यहां जैन समाज का उपाश्रय भी बना हुआ है, यह क्षेत्र आचार्य श्री मदन मुनि जी का दीक्षा स्थान है, यहां 'मोरया मगरी' नामक स्थान पर एक बड़े पत्थर के ऊपर, एक पत्थर महाराणा प्रताप जी द्वारा रखा गया है। यहां खेड़ा देवी का बहुत ही प्राचीन और ऐतिहासिक मंदिर है जो यहां की ग्राम देवी कही जाती है, यहां 'नवरात्रि' का भव्य आयोजन किया जाता है। ताकाजी बावजी यहां के ग्राम देवता कहे जाते हैं, जिनके बगल में भैरुजी का भी मंदिर है। विकास की बात की जाए तो स्कूल व अस्पताल पहले से अच्छे बन गए हैं, यहां उच्च माध्यमिक तक की शिक्षा उपलब्ध है, उसके आगे की शिक्षा के लिए १३ किलोमीटर दूर नाथद्वारा जाना होता है, कृषि क्षेत्र में यहां मक्का, गेहूं, बाजरा की पैदावार अधिक होती है, आवागमन की बात की जाए तो सड़क संपर्क माध्यम अच्छा है, रेलवे स्टेशन मावली जंक्शन या श्रीनाथजी पास में है, आज 'मोलेला' के लोग मुंबई, बेंगलुरु, अहमदाबाद व भारत के अन्य क्षेत्रों में भी बसे हैं और भी कई विशेषताएं हैं हमारे 'मोलेला' की...

'भारत को 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का एक ही नाम रहना चाहिए 'भारत', हमारे देश की वास्तविक पहचान है जो सदियों से चली आ रही है।

बाबूलाल जी मूलतः राजस्थान के राजसमंद जिले में स्थित 'मोलेला' के निवासी हैं। आपका जन्म व शिक्षा यहीं संपन्न हुई है, पिछले कई वर्षों से आप मुंबई में बसे हुए हैं और आभूषणों के कारोबार से जुड़े हैं, साथ ही सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रहते हैं। जय भारत ! **-मेरा राजस्थान**

सोहनलाल बोहरा
व्यवसायी व समाजसेवी
मोलेला निवासी-मुंबई प्रवासी

सोहनलाल जी अपनी जन्मभूमि 'मोलेला' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि पहले और आज के 'मोलेला' में काफी परिवर्तन आ गया है, पहले यह गांव की तरह था और लोगों का जीवन भी बहुत ही सादगीपूर्ण था, पर आज यह भी शहर की तरह बन चुका है, कमर्शियल हो चुका है, हर तरह की सुविधा यहां उपलब्ध है, विद्यालय, अस्पताल, सड़क परिवहन बहुत ही उत्तम है। 'मोलेला' में निर्मित 'टेराकोटा' मिट्टी के वस्तुएं पूरे विश्व में विख्यात है, जिसकी शुरुआत देवी-देवताओं की मूर्तियों के निर्माण से हुई थी, पर आज यहां हर तरह की मूर्तियां, बर्तन और कलाकृतियों मिट्टी से बनाई जाती हैं जो बहुत ही सुंदर होती है, यहां का सामाजिक वातावरण बहुत ही उत्तम है, लोगों में आपसी शांति और सौहार्द्ध है, सभी एक दूसरे के कार्यों में सहयोग प्रदान करते हैं, हर त्यौहार बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है, जिसमें सभी समाज के लोग सम्मिलित होते हैं। खेड़ा देवी माता जी यहां की ग्राम देवी और ताकाजी बावजी यहां के ग्राम देवता कहे जाते हैं, यहां जैन समाज का लगभग ४०० साल पुराना जैन मंदिर है, जिनमें मुख्य प्रतिमा आदिनाथ तीर्थंकर जी की है, यहां स्थानक और भोजनशाला भी बनी हुई है और भी कई विशेषताएं हैं हमारे 'मोलेला' में...

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, 'एक राष्ट्र-एक नाम' केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि बिल्कुल अपने देश का नाम तो 'भारत' ही रहना चाहिए जो आदिनाथ तीर्थंकर के पुत्र भरत चक्रवर्ती के नाम से पड़ा सोहनलाल जी मूलतः 'मोलेला' के निवासी हैं, आपका जन्म और प्रारंभिक शिक्षा 'मोलेला' में ही संपन्न हुई है, १९८२ से आप 'मुंबई' में बसे हैं और मेटल स्क्रैप रिफाइनरी के कारोबार से जुड़े हैं, साथ ही सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रहते हैं। भारत जैन महामंडल और तेरापंथ सभा से जुड़े हैं। जय भारत !

-मेरा राजस्थान

तनसुख चोरडिया
व्यवसाय व समाजसेवी
मोलेला निवासी बोईसर प्रवासी
भ्रमणध्वनि: 9423089269

तनसुख जी अपनी जन्मभूमि व कर्मभूमि 'मोलेला' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि समय के साथ 'मोलेला' में भी काफी विकास हुआ है, आज यहां हर तरह की सुविधा और व्यवस्थाएं हैं, आवागमन की भी व्यवस्था अच्छी है यहां का सड़क संपर्क बहुत ही उत्तम है पर रेल कम्युनिकेशन आज भी नहीं है जिसके कारण यहां के लोगों को काफी दिक्कतें होती हैं यहां का नजदीकी रेलवे स्टेशन भी ४० किलोमीटर दूर मावली है,मेवाड़ की भूमि है महाराणा प्रताप की, इसके बावजूद आज भी 'मेवाड़' के कई इलाकों में रेलवे की सुविधा नहीं है। सामाजिक स्थिति की बात की जाए तो 'मोलेला' में हर धर्म समाज के लोग बसे हैं सभी के बीच सौहार्द वातावरण है। 'मोलेला' को देवनगरी कहा जाता है, यहां चारों तरफ कई देवी-देवताओं के मंदिर हैं, जैन समाज का भी यहां मंदिर बना हुआ है और स्थानक और धर्मशाला भी बनी हुई है प्राकृतिक रूप से यह क्षेत्र बहुत ही उत्तम है **शेष पृष्ठ ४४ पर...**

पृष्ठ ४३ से... और भी कई विशेषताएं हैं हमारे मोलेला में...
'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि बिल्कुल अपने देश का एक नाम, एक पहचान रहनी चाहिए 'भारत'!
तनसुख जी मूलतः राजस्थान स्थित 'मोलेला' के निवासी हैं, आपका जन्म और संपूर्ण शिक्षा यही संपन्न हुई है, १९९४ से आप महाराष्ट्र के पालघर जिले में स्थित 'बोईसर' के निवासी हैं, आपका यहां आभूषणों का कारोबार है, साथ ही आप सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रहते हैं, श्री वर्धमान जैन श्रावक संगम

रामस्वरूप पोद्दार
व्यवसायी व समाजसेवी
बिसाऊ निवासी-बुरहानपुर प्रवासी
भ्रमणध्वनि: 9399090030

रामस्वरूप जी 'अग्रसेन जयंती' की शुभकामनाएं देते हुए कहते हैं कि महाराजा अग्रसेन जी हमारे अग्रज हैं, उनके द्वारा दिए गए सिद्धांत के अनुरूप ही आज अग्रवाल समाज सामाजिक व धार्मिक क्षेत्र में विशेष रूप से सक्रिय है, समाज द्वारा स्थापित कई संस्थाएं इस दिशा में कार्यरत हैं। आज पूरे वैश्विक स्तर पर अग्रवाल समाज कार्य कर रहा है। हमारे बुरहानपुर में अग्रसेन जयंती के अवसर पर कई धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, राजस्थानी भवन में पूजा अर्चना के पश्चात प्रसाद वितरण किया जाता है और चौक बाजार में स्थापित अग्रसेन जी के मूर्ति पर माल्यार्पण भी किया जाता है। आज की युवा पीढ़ी का अपने धर्म व समाज के प्रति रुझान बढ़ा है, जिस तरह धर्म का प्रचार-प्रसार हो रहा है, हमारे साधु-संत अपने प्रवचनों के माध्यम से भी युवाओं को जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं, युवाओं में एक नया जोश देखने को मिल रहा है।
'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का एक नाम, एक पहचान रहनी चाहिए 'भारत'! इस राष्ट्रीय अभियान का मैं पूर्ण समर्थन करता हूं।
रामस्वरूप जी मूलतः राजस्थान के चुरू जिले में स्थित 'बिसाऊ' के निवासी हैं। आपका जन्म 'मुंबई' में व संपूर्ण शिक्षा 'बुरहानपुर' में संपन्न हुई है, बुरहानपुर में आप कारोबार से जुड़े हैं, साथ ही यथासंभव सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रहते हैं। जय भारत! **-मेरा राजस्थान**

दिनेश सेकसरिया
व्यवसायी व समाजसेवी
कोलकाता निवासी
भ्रमणध्वनि: 9831010587

दिनेश जी 'महाराजा अग्रसेन जयंती' की शुभकामनाएं देते हुए कहते हैं कि महाराजा अग्रसेन जी अग्रोहा के राजा थे, जिनकी कल्याणकारी योजनाओं के लिए उन्हें एक महान शासक माना गया। 'अग्रसेन जयंती' आसोज शुक्ल पक्ष की एकम को मनाई जाती है, उसी दिन से नवरात्रि प्रारंभ होती है, महाराजा अग्रसेन जी को अग्रवाल समाज का संस्थापक कहा जाता है, उन्होंने १८ यज्ञों के माध्यम से वैश्य जाति को व्यवस्थित किया और १८ गोत्रों की स्थापना की, अग्रवाल समाज द्वारा अग्रसेन जी के जीवन और उनके विचारों पर आधारित विशेष कार्य किये जाते हैं। समाज द्वारा 'अग्रसेन जयंती' बड़े ही धूमधाम से मनाई जाती है, विभिन्न धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम किए जाते हैं, शोभायात्रा भी निकाली जाती है। महाराजा अग्रसेन जी के चरणों में कोटि-कोटि वंदन।
'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि भारत ही रहना चाहिए इंडिया नहीं 'एक राष्ट्र-एक नाम' 'भारत' ही रहना चाहिए, हमारी पहचान और इतिहास 'भारत' से ही है और 'भारत' से ही रहनी चाहिए।
दिनेश जी मूलत: राजस्थान के निवासी हैं और पिछले कई वर्षों से 'कोलकाता' में बसे हैं, यहां आप व्यापार से जुड़े हैं, साथ ही कई सामाजिक संस्थाओं में विशेष रूप से सक्रिय हैं। जय भारत! **-मेरा राजस्थान**

अग्रसेन तो ज्योति किरण हैं मानवता की मूरत है
उनकी वाणी अजर अमर है आज की जरूरत है
महाराजा अग्रसेन जयंती पर हार्दिक शुभकामनायें

Subhash Agarwal
Mob: 98253 66627

Surendra Agarwal
Mob: 93742 53071

Ayush Poly Pack
Mfg. of: H.M. Roll, L.D., Bags and all kinds o Packing Materials
207, Sagar Shopping Center, Sahara Darwaja,
Surat, Gujarat, Bharat- 395 002
Ph: (O) 0261-2324639 (0) 0251-2365025

अग्र क्रान्ति लाना है
सारे विश्व में तुम्हें छा जाना है
महाराजा अग्रसेन की जन्म जयंती पर
हार्दिक शुभकामनायें

G.L. Agrawal
Mob: 9833287172
M/S Girdharilal Agrawal & Co.
Chartered Accountants
603, ONE WORLD BY SANJAR, S.V.ROAD,
NEAR N.L. HIGH SCHOOL, MALAD WEST
MUMBAI 400 064.

गोयनका दादी मंदिर कोलकाता में नवरात्र महोत्सव की धूम भजनों से

कोलकाता: श्री श्री बीरां बरजी सेवा समिति द्वारा पार्वती घोष लेन स्थित गोयनका दादी मंदिर कोलकाता धाम में २२ सितंबर से १ अक्टूबर तक होने वाले शारदीय नवरात्र उत्सव के अवसर पर गोयनका परिवार के अनेक श्रद्धालुओं ने दादी जी के दरबार में अपनी हाजिरी लगाई। भजन प्रवाहक कमल गोयनका, पवन गोयनका, ज्योति खन्ना, निकिता शर्मा, रीना दास, कविता अग्रवाल और हर्षिता डीडवानिया के द्वारा गाये गये मधुर भजनों से भक्त भाव विभोर हो उठे। उत्सव के प्रथम दिन दादी भक्त मंजू सज्जन गोयनका द्वारा दादी का कीर्तन कराया गया और ध्वजा उत्सव उत्साह पूर्वक मनाया गया। तृतीया का कीर्तन गोयनका महिला समिति एवं चतुर्थी का कीर्तन सौभाग्यशाली भक्त गोविंद राम गोयनका व उनके परिवार के द्वारा करवाया गया, इस अवसर पर श्री श्री बीरां बरजी सेवा समिति द्वारा दादी जी के अनन्य भक्त गोविंद राम गोयनका के ९० वर्ष की दीर्घ एवं प्रेरणादायक यात्रा तथा दादी मंदिर के प्रति अथाह प्रेम के लिए तिलक लगाकर तथा श्रीफल एवं दुशाला देकर सम्मानित किया गया, इस अवसर पर सुशील गोयनका, रामस्वरूप गोयनका गिरधारी गोयनका, पवन गोयनका (अमरदीप), इंदर चंद गोयंका, ईश्वर चंद्र गोयनका, अंजू गोयनका, शिखा गोयनका सहित गोयनका परिवार के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। यह जानकारी समिति के सचिव सुभाष चंद्र गोयनका ने 'मेरा राजस्थान' पत्रिका का दी है।

विकासशील नवनिर्मित 'भारत' युवाओं के लिए

भारतवर्ष हमारा प्यारा देश है। यह केवल भोग भूमि नहीं, अपितु कर्म भूमि और त्याग भूमि भी है। भारत के इसी महत्व के कारण देवता भी इसमें जन्म लेने की ईच्छा रखते हैं। यहाँ की संस्कृति अत्यंत प्राचीन, श्रेष्ठ और अक्षुण्ण है, इसका भूतकाल गौरवशाली रहा है और निरंतर संघर्ष करते हुए विकासशील देशों की श्रेणी से यह विकसित देशों की श्रेणी में आ गया है। चंद्रयान ३ के सफल प्रक्षेपण, आपरेशन सिंदूर की सफलता, टैरिफ़ निर्णय के समक्ष न झुकना इत्यादि कई अन्य प्रगतिशील अभियानों द्वारा 'भारत' विश्व में अपनी पहचान बना चुका है व भविष्य और भी उन्नत विकसित है, यहाँ तक की आर्थिक क्षेत्र में भी हमारा देश विश्व में आत्मनिर्भर व अग्रणीय कतार में है फिर भी करियर बनाने की चाह में हमारे युवा भारतीय, विदेशों की और पलायन कर रहें है और वहाँ से लौटना नहीं चाहते, किन्तु आज सुरक्षा की दृष्टिकोण से भी हमारे भारतीय अपने 'भारत' में ज्यादा सुरक्षित हैं, वर्तमान परिस्थितियों के आधार पर। 'भारत' में युवा वर्ग की संख्या अधिक और शिक्षित है तो क्यों न स्वदेश को स्वावलंबी राष्ट्र बनाने में हम सभी अपना योगदान करें भारतीय उत्पादित वस्तुओं का ही प्रयोग करें। हम देख पा रहे हैं कि भारत में ढेरों संभावनाएँ यहाँ रहने तथा करियर स्थापित करने का यह अच्छा समय है। उच्च अध्ययन के लिए विदेश जाने वाले छात्र, अपनी शैक्षिक योग्यता का अधिकतम् लाभ अपनी मातृभूमि से उठा सकते हैं।

वैश्विक प्रदर्शन और देशी कौशल के साथ, अपने करियर में बड़ा बदलाव लाने के साथ, देश के आर्थिक विकास में भी छाप छोड़ सकते हैं। अपने देश में काम करने से कम वित्तीय निवेश की आवश्यकता होगी, यहाँ बाज़ारों के अनुरूप ढलना, ग्राहक व्यवहार और सांस्कृतिक प्राथमिकताओं को समझना आसान होगा, क्योंकि यह परिचित क्षेत्र भी है। अकेलेपन की भावना नहीं होगी, यहाँ हमेशा समुदाय का हिस्सा महसूस करेंगे, देश का नागरिक होने के नाते कुछ अधिकार और ज़िम्मेदारियाँ होती हैं जो सिस्टम से जोड़े रखती है। सरकारी नीतियों से डरने की ज़रूरत नहीं है क्योंकि वे मुख्यतया हमारे पक्ष में रहेंगी। करियर के साथ एक सामाजिक आंदोलन का हिस्सा बनकर बदलाव ला सकते हैं। अपने ज्ञान का उपयोग कर समाज के लिए परियोजनाएँ शुरू कर सकते हैं, यह अपनी मातृभूमि के प्रति प्रेम व्यक्त करने का सबसे अच्छा तरीक़ा है।

भारतभूमि की विशेषता को किसी कवि ने इन शब्दों में व्यक्त किया है-
सम्पूर्ण देशों से अधिक
किसका अधिक उत्कर्ष है?
ऋषि भूमि वह है जो
भारतवर्ष है।

-शकुन्तला करनानी
चेन्नई, तमिलनाडु
भ्रमणध्वनि: 9940067582

kalash

Ashwini Earthenware LLP

महाराजा अग्रसेन के जन्म जयंती की हार्दिक शुभकामनाएँ

My Kalash offers eco-friendly terracotta bottles, glasses, and curd pots, blending timeless tradition with modern wellness for sustainable, healthy living.

OFFICE ADDRESS:

78 Bentinck Street
Office no -1B, 2nd floor,
Kolkata, Bharat - 700001

FACTORY ADDRESS:

Narendrapur, MIC
Howrah, West Bengal,
Bharat-711410

+91 9073000041

info@mykalash.com

पहले मातृभाषा फिर राष्ट्रभाषा

पधारो म्हारे देश

मेरा राजस्थान

सम्पादक : बिजय कुमार जैन

राजस्थानियों के विचारों के साथ समस्त राजस्थान समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका

मैं भारत हूँ फाउंडेशन
भारत को 'भारत' ही बोला जाए

राजस्थान का इतिहास पहुँचाए आपके हाथ

मात्र रु. १००/- में, प्रति महिना

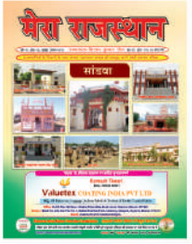

भारत का एक राज्य राजस्थान का एक नगर

1 प्रति ₹ 100/- **सांडवा** 1 प्रति ₹ 100/-

के इतिहास की प्रति मंगवाने के लिए संपर्क करें:- 022-28509999

सम्पादक

बिजय कुमार जैन

उपसम्पादक
संतोष जैन 'विमल'

कार्यकारी सम्पादक
अनुपमा शर्मा (दाधीच)

पंजीकृत कार्यालय

बी-२१७, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत -४०० ०५९

दूरध्वनि: ०२२-४०१५ ८०९४ अणुडाक: mailgaylordgroup@gmail.com

विशेष छूट

विज्ञापन देने पर पूरे साल 'मेरा राजस्थान' पत्रिका मुफ्त

वार्षिक शुल्क १२००/-
आजीवन शुल्क ११,१११/-

भारत को 'भारत' ही बोला जाए

Remove 'INDIA' Name From The Constitution

RNI No. MAHHIN/ 2003/11570
Postal Registration No. MCN/113/2025-2027
WPP License No. MR/Tech/WPP-246/North/2025-27
License to post without prepayment'
Published on 28/09/2025 & Posting on 30th of every previous Month
at Marol Bazar Post Office, Mumbai - 400 059.

ADD Gel®
LEADERS IN WRITING TECHNOLOGY

24 SHADES

CALLIGRAPHY
GIFT OF CREATIVITY

Best Gift for Birthday

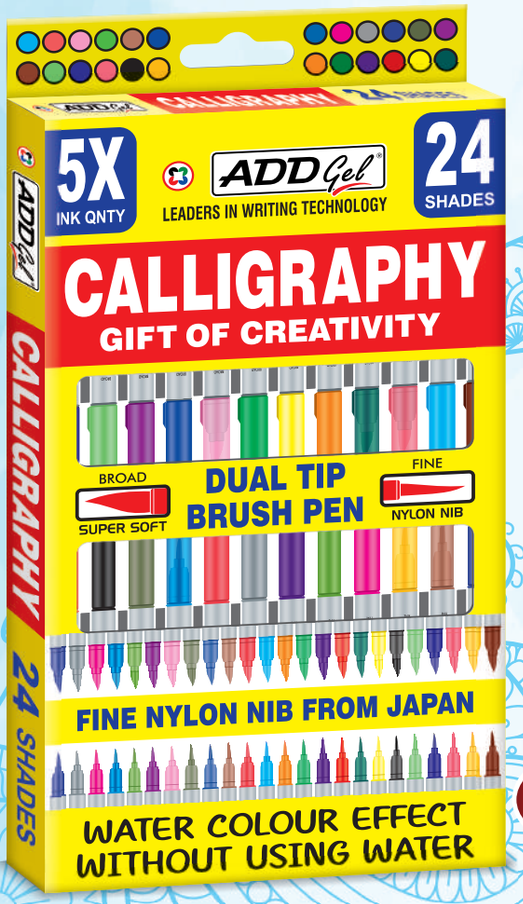

DUAL TIP BRUSH PEN

FINE NYLON NIB FROM JAPAN

BROAD
SUPER SOFT
FINE
NYLON NIB

MRP ₹450/- PER PACK

Make in India

www.shop.addpens.com

गेलार्ड पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए संपादक, मुद्रक व प्रकाशक बिजय कुमार जैन द्वारा विनय ग्राफिक्स, युनिट नं 13, रवी इन्ड. को.-ऑप. सोसाइटी लि., 25 महल इन्ड ईस्टेट, महाकाली केव्हज रोड अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत - 400093 से मुद्रित करवाकर बी-217, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत - 400 059 से प्रकाशित किया गया, टेलीफैक्स-022-4015 8094
अणुडाक - mailgaylordgroup@gmail.com अन्तरताना - www.merarajasthan.co.in